epaper.dehatsandesh.com

3 कुख्यात अपराधी हरीश कुमार पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

5 तिलक वर्मा ने हैम्पशायर के लिए जड़ा शतक

8 सतीश शर्मा ने गूगल इंडिया लीडरशिप से मुलाकात की,..

न्यूनतम 26 मौसम जम्मू अधिकतम 34

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-184 | जम्मू तवी, शनिवार 26 जुलाई, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद मित्र होने पर गर्व : पीएम मोदी

माले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर मालदीव पहुंचे, जहां माले के वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़ू ने उनका शानदार स्वागत किया। पीएम मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़ू संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सबसे पहले सभी भारतवासियों की ओर से मैं राष्ट्रपति और मालदीव के लोगों को स्वतंत्रता के 60 वर्षों की ऐतिहासिक वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए मैं राष्ट्रपति का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। इस साल भारत और मालदीव अपने राजनयिक संबंधों की भी 60वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारे संबंधों की जड़ें इतिहास से भी पुरानी हैं और समुद्र जितनी गहरी हैं। आज जारी किया गया डाक टिकट दर्शाता है कि हम केवल पड़ोसी नहीं हैं, सहयात्री भी हैं। उन्होंने कहा, भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। मालदीव भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और महासागर विजन दोनों में एक अहम स्थान रखता है। भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद मित्र होने पर गर्व है। आपदा हो या महामारी, भारत हमेशा फर्स्ट रिस्पांडर बनकर साथ खड़ा रहा है। एसेंशियल कमोडिटी उपलब्ध कराने की बात हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है।

भारत-मालदीव संबंधों को मजबूती देने पर सहमति

नई दिल्ली, 25 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान दोनों देशों ने आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। आर्थिक, स्वास्थ्य, डिजिटल, मत्स्यपालन, जलवायु और समुद्री सुरक्षा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। विभिन्न समझौतों और समझौता ज्ञापनों के आदान-प्रदान से द्विपक्षीय संबंधों को ठोस आधार मिला। यह जानकारी मालदीव की राजधानी माले स्थित राष्ट्रपति कार्यालय में आज प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ु के बीच द्विपक्षीय वार्ता के बाद साझा की गई। यह राष्ट्रपति मुइज़्ज़ु के कार्यकाल में किसी भी विदेशी राष्ट्र प्रमुख की पहली आधिकारिक यात्रा थी। दोनों

नेताओं ने भारत-मालदीव संयुक्त दृष्टिकोण 2024 की प्रगति की समीक्षा की और हिंद महासागर क्षेत्र में शांति व समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

सेना ने द्रास में मनाया कारगिल विजय दिवस

द्रास, 25 जुलाई । भारतीय सेना ने द्रास में 11,500 फीट की ऊँचाई पर स्थित लामोचेन व्यू पॉइंट पर देशभक्ति के जोश के साथ कारगिल विजय दिवस मनाया।

एक बयान के अनुसार फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल रितेश भल्ला ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तिरंगा फहराया।

कारगिल युद्ध के नायक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजर जनरल आशिम कोहली (सेवानिवृत्त) ने इसे सबसे अनोखा ध्वजारोहण कार्यक्रम बताया जिसमें प्रतिष्ठित युद्ध स्थल बत्रा टॉप, टाइगर हिल और तोलोलिंग पृष्ठभूमि में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे।

एलजी सिन्हा ने कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

श्रीनगर, 25 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को 26वें कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर वीरगति को प्राप्त हुए वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपने संदेश में उपराज्यपाल ने 1999 में 'ऑपरेशन विजय' के तहत पाकिस्तान पर भारत की विजय में भारतीय सशस्त्र बलों के जांबाज़ जवानों और अधिकारियों के अदम्य साहस और बलिदान को याद किया।

मनोज सिन्हा ने कहा, कारगिल विजय दिवस पर मैं हमारे शहीदों को नमन करता हूं और उनकी वीरता, साहस और सर्वोच्च बलिदान को सलाम करता हूं। हमारे वीरों ने दुनिया के सबसे कठिन और विषम भूभाग में लड़ाई लड़ी और दुश्मन को परास्त किया। उन्होंने आगे कहा, हमारे सैनिकों की बहादुरी, पराक्रम और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कारगिल विजय दिवस भारत की सैन्य इतिहास में गौरवशाली अध्याय है, जो देशभक्ति, अदम्य साहस और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

भावी सैनिकों को प्रेरित करना- कारगिल विजय दिवस 2025 पर प्रेरक व्याख्यान

जम्मू, 25 जुलाई । कारगिल विजय दिवस 2025 के अवसर पर मनवार योद्धा ब्रिगेड ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खौड़ में एक अत्यंत प्रेरक और प्रेरणादायक व्याख्यान का आयोजन किया। इस सत्र में भारतीय सेना में विभिन्न करियर अवसरों पर प्रकाश डाला गया जिसमें अधिकारी स्तर की प्रवेश योजनाएँ और अभिनव अग्निवीर नीति ढाँचा शामिल था।

लड़कियों को प्रतिष्ठित एनडीए और सीडीएस में शामिल होने के अपने सपनों को साकार करने, बाधाओं को पार करने और युवा महिलाओं को राष्ट्र सेवा की दिशा में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में 84 छात्रों और 5 शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी रही जो सत्र की ज्ञानवर्धक सामग्री और प्रभावशाली प्रस्तुति से अभिभूत थे।

खबर संक्षेप

पटवारी दंसाल 20,000 की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार

जम्मू, 25 जुलाई। जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को एक शिकायत मिली थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि लोक सेवक चुन्नी लाल, पटवारी, पटवार हलका दंसाल ने शिकायतकर्ता से सीमांकन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए अवैध रिश्वत की मांग की थी। आरोपी चुन्नी लाल पटवार हलका दंसाल ने सीमांकन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए शिकायतकर्ता से 1,00,000 की रिश्वत की मांग की और बातचीत के बाद आरोपी चुन्नी लाल 75,000 लेने के लिए सहमत हो गया और रिश्वत के रूप में 25,000 की पहली किस्त की मांग की। हालाँकि शिकायतकर्ता पहली किस्त के रूप में 25,000 का प्रबंध नहीं कर सका और इसके बदले में वह केवल 20,000 का ही प्रबंध कर पाया। चूँकि शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था इसलिए उसने आरोपी लोक सेवक के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के लिए एसीबी से संपर्क किया।

शिकायत प्राप्त होने पर एक गोपनीय सत्यापन किया गया जिससे संबंधित लोक सेवक द्वारा रिश्वत की माँग की पुष्टि हुई और तदनुसार भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के अंतर्गत एफआईआर संख्या 15/2025 के तहत पुलिस स्टेशन एसीबी जम्मू में मामला दर्ज किया गया और जाँच शुरू की गई। जाँच के दौरान राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में एक ट्रैप टीम गठित की गई। टीम ने सफलतापूर्वक जाल बिछाया और आरोपी लोक सेवक को स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में शिकायतकर्ता से 20,000 की रिश्वत मांगते और स्वीकार करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। एसीबी टीम ने विधि सम्मत प्रक्रिया अपनाते हुए आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप टीम से जुड़े स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में उसके कब्जे से रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई।

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण : शिवराज

नई दिल्ली, 25 जुलाई । भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते को लेकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर के किसानों की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। शिवराज ने कहा कि यह समझौता अद्भुत, अभूतपूर्व, ऐतिहासिक और राष्ट्र तथा किसानों के व्यापक हित में है।

केंद्रीय मंत्री चौहा नेशुक्रवार को एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारा ब्रिटेन के साथ जो व्यापक आर्थिक व्यापार समझौता हुआ है, वो भारतीय कृषि और किसानों के लिए वरदान है। भारत ट्रेड सरप्लस देश है, मतलब यूनाइटेड किंगडम (यूके) को 8 हज़ार 500 करोड़ रुपये के कृषि उत्पाद हम निर्यात करते हैं और वहां से हम 3 हज़ार 200 करोड़ रुपए के कृषि उत्पाद आयात करते हैं। मतलब, हमारा निर्यात ज़्यादा है व आयात कम है और इसका फ़ायदा निर्यात ज़्यादा होगा तो निश्चित तौर पर भारत को मिलेगा।

शिवराज ने कहा कि किसानों के हितों का पूरी तरह संरक्षण किया गया है। किसान हित हमारे लिए सर्वोपरि है। किसानों की सेवा भगवान की पूजा जैसी है। इसलिए, ऐसी चीजें, जिनके आयात से हमारे किसानों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता था, उनमें कोई रियायत समझौते पर नहीं दी गई है। गेहूं, चावल, मक्का, अनाजों में जिनका व्यापक उत्पादन होता है हमारे यहां, भारत ने कोई कन्सेशन नहीं दिया है। अगर हम फलों में देखें तो सेब, अनार, अंगूर, नाशपाती, आलू बुखारा, फलों का राजा आम, अमरूद इन पर भी हमने कोई कन्सेशन नहीं दिया है। हम ऑयल सीड्स को देखें, तिलहन को देखे तो सोयाबीन, मूंगफली, सरसों में हमने कोई रियायत नहीं दी है, वहीं नट्स को देखें तो काजू, बादाम, अखरोट इन पर हमने कोई रियायत नहीं दी है।

21 दिनों में 3.52 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने की अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर, 25 जुलाई । अमरनाथ यात्रा के दौरान अब तक लगभग 3.52 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं। शुक्रवार को 2,896 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई से शुरू हुई यात्रा के 21 दिनों में ही तीर्थयात्रियों की संख्या 3.50 लाख के अनुमानित आंकड़े को पार कर गई। अधिकारियों ने बताया कि 2,896 यात्रियों का एक और जत्था शुक्रवार को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से सुरक्षा काफिलों के साथ रवाना हुआ। 790 यात्रियों को लेकर 42 वाहनों का पहला काफिला सुबह 3ः30 बजे बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ, जबकि 2,106 यात्रियों को लेकर 75 वाहनों का दूसरा काफिला सुबह 4ः18 बजे पहलगाम आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। पारंपरिक पूजा के लिए छड़ी मुबारक (भगवान शिव की पवित्र गदा) शुक्रवार को हरि पर्वत स्थित शारिका भवानी मंदिर में ले जाया जाएगा। इससे पहले, महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में साधु-संत गुरुवार को पारंपरिक पूजा के लिए छड़ी मुबारक (भगवान शिव की पवित्र गदा) को श्रीनगर के ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर लेकर गए। यह पूजा हर साल हरियाली अमावस्या (श्रावण अमावस्या) के अवसर पर की जाती है, जो प्राचीन परंपरा का हिस्सा है।

2,896 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का एक और जत्था घाटी के लिए रवाना

श्रीनगर, 25 जुलाई (हि.स.)। शुक्रवार को 2,896 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से घाटी के लिए रवाना हुआ और अब तक 3.52 लाख से ज़्यादा श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई को शुरू हुई श्री अमरनाथ जी यात्रा के बाद से पिछले 21 दिनों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या अनुमानित 3.50 लाख से ज़्यादा हो गई है। उन्होंने बताया कि 2,896 यात्रियों का एक और जत्था शुक्रवार को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में दोनों आधार शिविरों के लिए रवाना हुआ।

नियंत्रण रेखा पर बारूदी सुरंग विस्फोट में एक सैन्यकर्मी बलिदान, दो अन्य घायल

पुंछ, 25 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शुक्रवार को नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक सैन्यकर्मी बलिदान हो गया और दो अन्य घायल हो गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा घाटी के सामान्य क्षेत्र में क्षेत्र प्रभुत्व गश्त के दौरान एक बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, जिसमें एक अग्निवीर जवान बलिदान हो गया और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक जेसीओ है, जिसे एक सैन्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है और उनकी हालत स्थिर है।

व्हाइट नाइट कोर के जीओसी और सभी रैंक अधिकारियों ने अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कृष्णा घाटी ब्रिगेड के सामान्य क्षेत्र में एक बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद क्षेत्र प्रभुत्व गश्त के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हम दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

धिकारियों के अनुसार, जब बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, तब जवान कृष्णा घाटी के सामान्य क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस घटना में 7 जाट रेजिमेंट के ललित कुमार नामक अग्निवीर जवान शहीद हो गए, जबकि एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित दो अन्य घायल हो गए।अधिकारियों ने बताया कि घायलों को एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। व्हाइट नाइट कोर ने एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया जीओसी ꠰व्हाइटनाइट कोर और सभी रैंक 7 जाट रेजिमेंट के अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

मरीज़ों की देखभाल बंद करना अस्वीकार्य, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : सकीना इटू

श्रीनगर, 25 जुलाई । एसएमएचएस अस्पताल में हाल ही में हुई घटना की निंदा करते हुए जहाँ एक परिचारक ने एक डॉक्टर के साथ मारपीट की, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, स्कूल और उच्च शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने शुक्रवार को स्थिति का जायजा लेने के लिए अस्पताल का दौरा किया।

इटू ने स्पष्ट रूप से कहा कि रोगी देखभाल सेवाओं और आपातकालीन सुविधाओं को बंद करना अस्वीकार्य है और इस घटना में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।उन्होंने कहा कि यह घटना नहीं होनी चाहिए थी खासकर अस्पताल के अंदर। जिसने भी कोई गलत काम किया है उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। हालाँकि अस्पताल को बंद करना उचित नहीं ठहराया जा सकता और ऐसा होना ही नहीं चाहिए था।मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अस्पताल बंद होने के कारण आने वाले मरीज़ बिना इलाज के रह गए। मरीजों को बिना देखभाल के भटकना पड़ा। यह गलत था। इस मामले की जाँच की जाएगी।आपातकालीन, ऑपरेशन थिएटर, वार्ड और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं को बंद करने को बेहद गलत बताते हुए उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएँगी।

उन्होंने दोहराया कि कुछ भी बर्दाश्त किया जा सकता है लेकिन मरीज़ों की देखभाल से समझौता करना उचित नहीं है। इटू ने जेवीसी अस्पताल का भी दौरा किया जहाँ उन्होंने मरीज़ों की संख्या में भारी वृद्धि देखी क्योंकि जिन डॉक्टरों को एसएमएचएस से वापस भेज दिया गया था, उन्हें वहाँ जाना पड़ा।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर हमारे भाई-बहन हैं। उन्हें मरीज़ों के साथ सहानुभूति से पेश आना चाहिए क्योंकि लोग भावनात्मक और मानसिक रूप से परेशान होकर इलाज की उम्मीद में आते हैं। उन्होंने कहा कि अल्लाह के बाद मरीज़ डॉक्टरों पर अपनी उम्मीद रखते हैं। लेकिन डॉक्टर केवल इलाज कर सकते हैं वे किसी को मौत से नहीं बचा सकते।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भवन एवं निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की 22वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की

श्रीनगर 25 जुलाई । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में जम्मू-कश्मीर भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की 22वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी उपायों के कार्यान्वयन की व्यापक समीक्षा करना और जम्मू-कश्मीर में निर्माण श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों को मंजूरी देना था। बोर्ड द्वारा की गई प्रगति की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने 2.85 लाख से अधिक सक्रिय निर्माण श्रमिकों तक कल्याण कवरेज का विस्तार करने के बोर्ड के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने लाभों के पारदर्शी, समय पर और लक्षित

वितरण के महत्व पर ज़ोर दिया और अधिकारियों को आउटरीच तंत्र का विस्तार करने, आवेदन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी पात्र श्रमिक बोर्ड के लाभों का लाभ उठाने से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने सभी कमजोर और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को इसके दायरे में लाने के लिए 'निर्माण श्रमिक' की व्यापक और अधिक समावेशी परिभाषा का भी आह्वान किया। उन्होंने बोर्ड से ऐसे नीतिगत तंत्रों का पता लगाने का आग्रह किया जो राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं और श्रम कल्याण मानकों के अनुरूप, श्रमिकों के लिए कवरेज को अधिकतम करें और उनकी वित्तीय सुरक्षा को बढ़ाएँ। योजना विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया।सचिव श्रम एवं रोजगार कुमार राजीव रंजन ने बोर्ड की प्रमुख उपलब्धियों, नीतिगत सुधारों और वित्तीय प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

कुख्यात ड्रग तस्कर की 55 लाख की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, 25 जुलाई मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए श्रीनगर पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत लगभग 55 लाख मूल्य का दो मंजिला आवासीय भवन कुर्क किया है जो सौरा स्थित दाऊद कॉलोनी के एक कुख्यात ड्रग तस्कर के परिवार का है।

नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने और मादक पदार्थों की तस्करी को बढ़ावा देने वाले ढाँचे को ध्वस्त करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए श्रीनगर पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत लगभग 55 लाख मूल्य की एक आवासीय संपत्ति कुर्क की है।

संसद के दोनों सदनों में सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होगी : रिजिजू

नई दिल्ली, 25 जुलाई । संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को एक बार फिर विपक्ष से संसद की कार्यवाही बाधित नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संसद के दोनों सदनों में सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा होगी।

मानसून सत्र के पांचवें दिन के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आपने इस सप्ताह देखा होगा कि सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर सदन में चर्चा करने की लिखित मांग की थी। मानसून सत्र शुरू होते ही, हमने सरकार की ओर से स्पष्ट रूप से कहा था कि हम इस मामले पर चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ॾहमने कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में भी यही निर्णय लिया था, लेकिन विपक्ष हंगामा कर रहा है और नियमों के विरुद्ध, वे सदन के भीतर और बाहर पोस्टर और बैनर लेकर आए हैं, जिससे कार्यवाही बाधित हो रही है।

उन्होंने कहा कि हम पहले सप्ताह में केवल एक विधेयक पारित कर पाए। पहला विधेयक पारित होने के बाद, हमने अगले सूचीबद्ध विधेयकों पर चर्चा करने का आग्रह किया, लेकिन कांग्रेस और अन्य दलों ने हंगामा किया और कार्यवाही बाधित की।

रिजिजू ने कहा, मैं यह बताना चाहता हूं कि हम आपके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करने जा रहे हैं; कृपया संसद को बाधित न करें। देश की जनता सांसदों के चुनकर भेजती है ताकि वे संसद में देश की समस्याओं पर नियम के तहत उठा सकें।

मुख्य सचिव ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई सचिव के साथ रणनीतिक चर्चा की

श्रीनगर, 25 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव एस.सी.एल. दास के साथ एक विस्तृत बैठक की, जिसमें जम्मू-कश्मीर के मौजूदा औद्योगिक परिदृश्य और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र के संवर्धन और स्थायित्व के लिए दीर्घकालिक रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सचिव विक्रमजीत सिंह और श्रम एवं रोजगार सचिव कुमार राजीव रंजन भी उपस्थित थे। बातचीत के दौरान, मुख्य सचिव ने केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा और नई स्थापित औद्योगिक इकाइयों, दोनों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत और समावेशी रोडमैप की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जम्मू-कश्मीर का औद्योगिक परिदृश्य ऐतिहासिक रूप से अपने विशिष्ट भू-राजनीतिक संदर्भ से प्रभावित रहा है, क्योंकि यह देश का एक परिधीय क्षेत्र है, जिसके कारण इसे विशिष्ट रसद और कनेक्टिविटी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण के साधन के रूप में एमएसएमई

क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए, डुल्लू ने मंत्रालय से केंद्र शासित प्रदेश में एक जीवंत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर अब औद्योगिक विकास में ऐतिहासिक अंतराल को पाटने के लिए तैयार है, और क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर रोजगार सृजनकर्ता बनने के लिए अवसरों और उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं में उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए लक्षित कार्यक्रम शुरू करने में मंत्रालय के हस्तक्षेप की भी माँग की, जो, उन्होंने कहा, पिछली परिस्थितियों के कारण ऐसे अवसरों से वंचित रहे हैं।

सीएम उमर ने पुलिस के साथ गोलीबारी में नशा तस्कर की हत्या की जांच की मांग की

श्रीनगर, 25 जुलाई। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री ओमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को जम्मू शहर में एक कथित नशा तस्कर की मौत की घटना की जांच की मांग की और कहा कि पुलिस द्वारा बल प्रयोग अंधाधुंध नहीं, बल्कि नियंत्रित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह की घटनाओं की वजह से जम्मू-कश्मीर को अतीत में भारी कीमत चुकानी पड़ी है। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए ओमर अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू के निकी टावी निवासी मोहम्मद परवेज की मौत अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और गहरी चिंता का विषय है। पुलिस द्वारा बल प्रयोग नियंत्रित होना चाहिए, न कि अंधाधुंध। उन्होंने आगे कहा, इस घटना की निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से जांच होनी चाहिए। मैं मोहम्मद परवेज के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। अल्लाह उन्हें जन्नत अता फरमाए। गौरतलब है कि गुरुवार को जम्मू शहर में पुलिस और कथित नशा तस्करों के बीच मुठभेड़ के दौरान एक संदिग्ध की मौत हो गई, जबकि एक अन्य को हिरासत में लिया गया। घटना के बाद मृतक के परिजन जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए मामले की जांच की मांग की। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पुलिस टीम कथित नशा तस्करों का पीछा कर रही थी, तभी संदिग्धों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक को गिरफ्तार कर लिया गया।

शुद्ध हवा के लिए घर में जरूर लगाएं ये 15 पौधे

हमारे भारत में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि खुले में सांस लेना भी मुश्किल हो गया हैं। ऐसे में प्रदूषण को रोकने के लिए अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए लेकिन इनके लिए खुली जगह होनी जरूरी हैं। शायद इसी कारण लोग अपने घरों के अंदर पेड़ लगा रहे हैं।आज हम आपको बताएंगे कि घर में कौन-कौन से पौधे लगाने चाहिएं।

1989 में हुए नासा के 'क्लीन एयर स्टडी' से यह पता लगा कि घर की हवा को ताजा करने के लिए पौधे बेस्ट होते हैं। घर के अंदर की हवा में काफी मात्रा में बेंजीन, ट्राइक्लोरोथिलीन, अमोनिया जैसे कई तरह के नुकसान देने वाले रसायन होते हैं। लेकिन नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि घर के अंदर बढ़ते वायु-प्रदूषण को कम करने में ये पौधे हथियार के रूप में काम करते हैं। कुछ पौधे ऐसे होते हैं कि हमारे घरों, सार्वजनिक स्थलों और कार्यालयों के अंदर की हानिकारक गैसों को 85त्न तक अपने अंदर समा लेते हैं।ये पौधे सिर्फ़ हानिकारक गैसों से निपटारा ही नहीं करते, बल्कि घरों को सुंदर भी बनाते हैं। अच्छी सेहत और साफ हवा के लिए अपने घरों में इन

15 पौधों को ज़रूर लगाएं।

1. Anthurium andraeanum (राजहंस लिली)
राजहंस लिली हवा में नमी और वाष्प को बनाए रखती है. यह ज़ाइलीन और टोल्यूनि जैसी हानिकारक गैसों को अपने अंदर समा लोते हैं।

2. Gerbera jamesonii
यह उजले फूलों वाला पेड़ हवा में मौजूद विषेलै पदार्थों को खत्म कर देता हैं। इस पौधे को गर्म जगह पर रखना चाहिएं।

3. Scindapsus (गोल्डन लोटस)
गोल्डेन लोटस छाया में बढ़ने जहरीला पौधा वाला पौधा है। यह घर की हवा को साफ रखने के लिए बढ़िया हैं। इस पेड़ से बच्चों और जानवरों से दूर रखना चाहिए।

4. Aglaonema
इस सदाबहार पौधे को बढ़ने के लिए ज़्यादा प्रकाश की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन इसे अधिक नमी वाली हवा की ज़रूरत होती है। यह पौधा हवा से बेंजीन जैसे पदार्थों को फिल्टर कर हवा को शुद्ध बना देता हैं।

5. Chlorophytum ('मकड़ी संयंत्र')
यह पौधा केवल सुंदर ही नहीं, बल्कि घर की हवा से विषैली गैसों जैसे बेंजीन, कार्बन मोनोआक्साइड और ज़ाइलीन को भी खत्म कर देता हैं।

6. Ivy
यह पौधा कम प्रकाश वाली जगह लगाया जाता है और घर में मौजूद हानिकारक गैसों को खत्म करने में मददगार साबित होता हैं।

7. Azalea
यह पौधा आपके प्लाईवुड, फर्नीचर और कार्पेट से आने वाली स्मेल को खत्म कर देता हैं। अगर इसको ध्यान से रखा जाए, तो यह काफी लंबे समय तक जीवित रहता हैं।

8. Sansevieria ('मदर-इन-लॉ की जीभ')
यह काफी कठोर और किसी भी कंडीशन में रहने वाला पौधा हैं। इसकी खास बात ये है कि दूसरे पौधों की तरह हानिकारक गैसों को तो खत्म करता ही हैं और रात के समय ऑक्सीजन गैस भी छोड़ता हैं।

9. Dracaena marginata
यह धीरे-धीरे बढ़ने वाला पौधा हानिकारक गैस ज़ाइलीन और ट्राईक्लोरोइथीलीन को मिटा देता हैं।

10. क्द्धद्बद्यश्वस्त्रद्गठ्ठस्त्रह्व्श्ठ
इस पौधे को कम प्रकाश पर रखने पर भी इसके विकास पर कोई असर नहीं पड़ता। इसकी देखभाल करना तो आसान है लेकिन एक बात याद रखने योग्य ये है कि यह बच्चों और जानवरों के लिए खतरनाक हो सकता हैं।

11. Nephrolepis ('बोस्टन फर्न')
यह हवा में नमी कायम रखने और कार्बन मोनो ऑक्साइड को खत्म करने वाला पौधा हैं। इसे रोजाना पानी की आवश्यकता होती हैं।

12. Spathiphyllum ('शांत लिली')
पीस लिली घरों में आम दिखने वाला पौधा है, जो हर तरह की हानिकारक गैसों को निपटारा करता हैं। यह धूल को भी समाप्त करता है और घर की हवा को शुद्ध रखता हैं।

13. Bamboo palm
यह पौधा भी हानिकारक गैसों को फिल्टर करने का काम करता हैं। इसे फर्नीचर के बगल में रखने पर यह उसमें मौजूद कैमिकल को वाष्प में बदल कर खत्म कर देता हैं।

14. Schefflera
इस पौधे को कुछ देशों में 'अंब्रेला ट्री' भी कहा जाता हैं। यह पौधा भी घर की हानिकारक गैसों को खत्म करता हैं।

15. Chrysanthemum
यह फूल का पौधा सिर्फ़ आपके घरों को डेकोरेट करने का काम ही नहीं करता, बल्कि विषैली गैसों को खत्म करने का भी काम करता हैं।

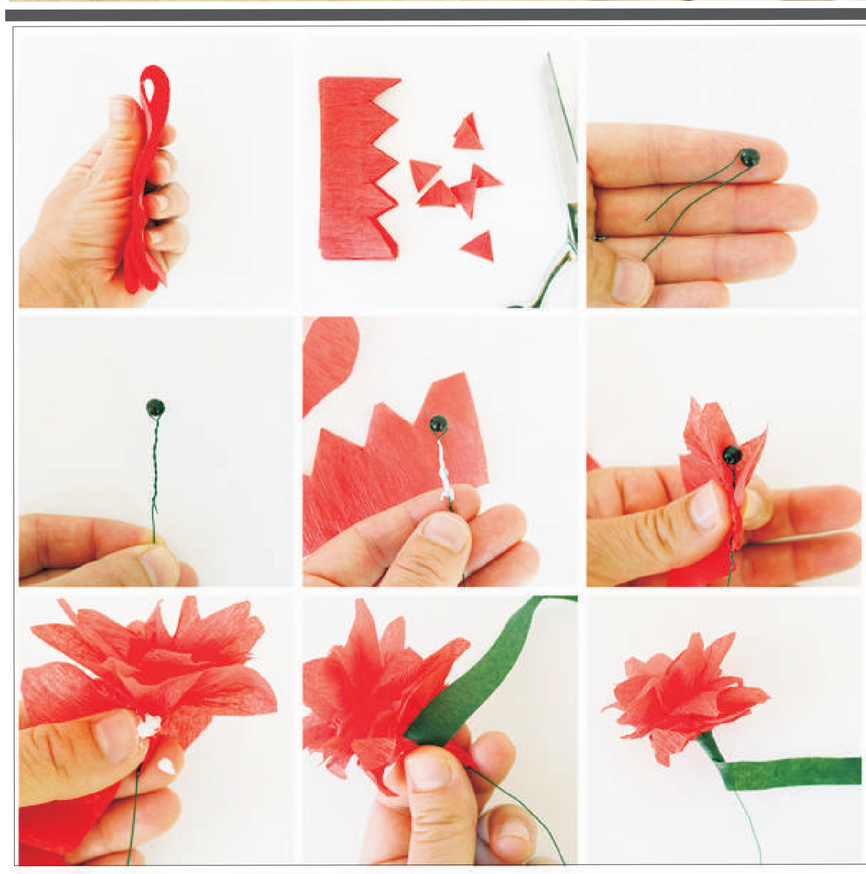

पेपर फ्लावर डैकोरेशन यूं बनाएं कागज़ के फूल

घर बड़ा हो या छोटा, डैकोरेशन के बिना सूना-सूना सा लगता है। तनावमुक्त और पॉजिटिव फीलिंग के लिए घर को सजाना बहुत ही जरूरी है। वैसे तो बाजार में आपको डैकोरेशन के लिए बहुत सारी चीजें मिल जाएंगी लेकिन डैकोरेशन की कुछ चीजें आप खुद भी बना सकते हैं। वैसे भी आजकल लोग घर में पड़ी वेस्ट चीजों को दोबारा इस्तेमाल करने में जागरूकता दिखा रहे हैं। अगर आप खुद से क्रिएटिवी दिखाना चाहते हैं तो वेस्ट कपड़ों, काग्जों और प्लास्टिक से डैकोरेशन की चीजें तैयार करें। हर घर में हमे फ्लॉवर पॉट मिल ही जाएगा। यह फ्लावर कपड़े, आरगेंडी, स्टोकिंग और पेपर फ्लावर से भी बने होते हैं। आज हम आपको पेपर फ्लावर बनाना सीखाते हैं, जिसे आप फ्लावर वेस में लगाकर घर की रौनक बढ़ा सकते हैं। वैसे इन्हें बनाने में आपको जल्दबाजी नहीं बल्कि सहनशीलता दिखानी पड़ेंगी। इसके लिए

आपको चाहिए
- क्रेप पेपर या टीशू पेपर - न्यूज पेपर
- धागा, सीज़र (कैंची)
- फेवी ग्लू

कैसे बनाएं पेपर फ्लावर

सबसे पहले क्रेप पेपर को 40 इंच लंबा काट लें। उसके बाद उसे आधा-आधा फोल्ड करते जाएं जब तक वह ढाई इंच न रह जाएं। फिर कैंची की मदद से पेपर के एक किनारे को जिग जैग शेप (बड़े कट) में काटें। अब सारे पेपर को खोल लें और उसे हाफ फोल्ड कर लें। सूई धागे की मदद से पेपर को जिग जैग की दूसरी साइड कच्चा टांका करना शुरू करें। जब सारी लड़ी सिल जाएं तो धागें को धीरे-धीरे खींचना शुरू करें। इस तरह से पेपर राऊंड फ्लावर शेप में आ जाएगा। सुई को निकाल कर धागें को यूं ही पड़ा रहने दें। फूल की डंडी तैयार करने के लिए न्यूजपेपर स्ट्राइप को राऊंड घुमाकर तने की लुक दें। इसे ग्लू से अच्छे से जोड़ ले ताकि यह खुले न और किनारे से काट लें। अब किसी और कलर के 8 इंच लंबा क्रेप पेपर लें और फोल्ड करते जाएं जब तक वह 1 इंच का न रह जाएं। पहले की तरह कैंची से इसकी एक साइड पर छोटे कट लगाएं। जहां से कट लगाएं हैं उस हिस्से को न्यूज पेपर के एक कोने के ऊपर रखें और धागे की मदद से लपेटे। इस तरह से यह फूल का सेंटर वाला हिस्सा तैयार हो गया है। अब इसे राऊड फ्लावर के बीच से निकालते हुए सेट करें और जो धागा फूल के साथ बचा था उसे तने के साथ अच्छे से टाई कर लें। उसके बाद न्यूजपेपर पर ग्रीन क्रेप पेपर कवर चढ़ाएं और ग्लू की मदद से जोड़ लें। इस तरह से सूरजमूखी के फूल तैयार हो गया। ऐसे ही डिफरैंट कलर में बाकी फ्लावर तैयार करें और पॉट में सजा लें। इसी तरह आप रॉज, लिली, लोट्स आदि के फ्लावर भी बना सकते हैं।

बेकार पड़ी प्लास्टिक की चीजों से यूं बनाएं क्रिएटिव सामान

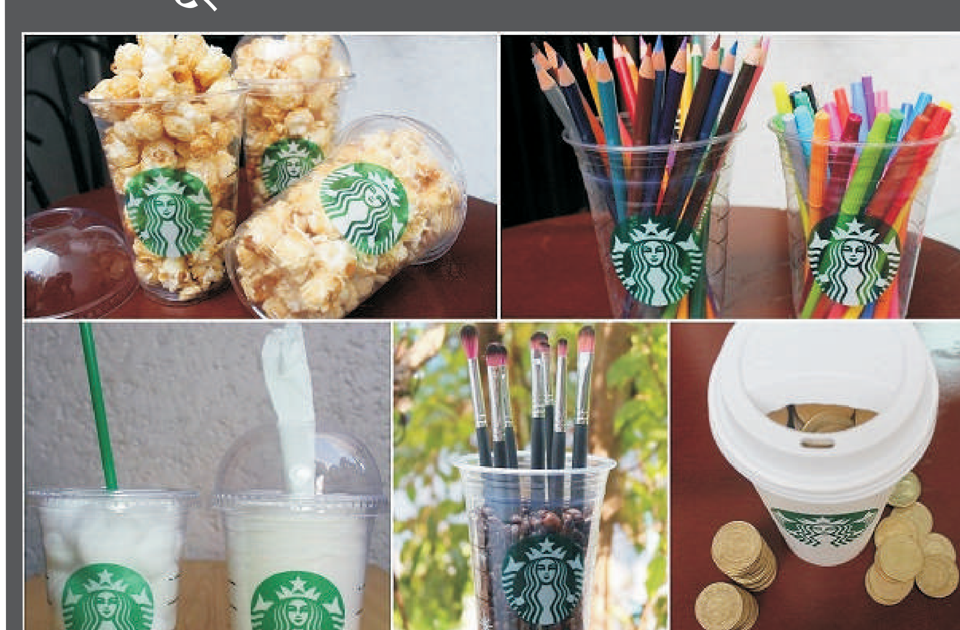

आजकल की अनेक समस्याओं में से सबसे बड़ी समस्या,प्लास्टिक का दिनों-दिन बढ़ता उपयोग है। इस पर रोक लगाने के बावजूद भी लोग प्लास्टिक का इस्तेमाल बोतल, कपों, बर्तनों, थैलों के रूप करते हैं।अगर आप घर की सफाई करते है तो आपको सबसे ज्यादा प्लास्टिक ही कचरे में दिखेगी इसलिए इस तरह की समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप प्लास्टिक का रिसाईकल करके होम मैकिंग अच्छे तरीके से कर सकते हैं। आज हम आपको प्लास्टिक के इस्तेमाल से घर पर ही कुछ क्रिएटिव चीजें बनाना सिखाएंगे।

1. टूथब्रश होल्डर
आप दही के कपों को फेकने के बजाएं इनको धोकर और टूथब्रश डालकर बाथरूम में टांग सकते हैं। जब ये पुराने हो जाएं तो नए कपों को लगा दें। अपनी मर्जी से आप इन पर अलग-अलग डिजाइन भी बना सकते हैं।

2.खुले सिक्कों के लिए
कई बार आप सिक्कों को ऐसे ही कही पर रख देते हैं बाद में उन्हें ढूंढने में परेशानी होती हैं। इन सिक्कों को कपों में रख लें और उनमें अलग-अलग सिक?के डालें। इससे आपको पता रहेगा कि किस कप में कौन से सिक?के रखें और जरूरत पड़ने पर बिना समय बर्बाद किए फटाक से ढूंढ लेंगे।

3.ज्यूलरिस रखने में
कई बार आपको आपके ईयरिंग्स या चैन नही मिलती तो ऐसे में अलमारी में इन कपों को रख लें और हर कप में एक अलग एस्सेसरीज रखें, ताकि जरूरत पड़ने पर आसानी से मिल जाएं।

4. बीज बोएं यदि आप होम गार्डनिंग का शौक रखते है तो छोटे-छोटे कपों या बाल्टियों में मिट्टी भरकर उनमें धनिया, पुदीना या फूल आदि के बीज बो दें।

5. पेपरवेट बनाएं
आप मार्किट से मंहगे पेपरवेट लेने के बदले घर में ही प्लास्टिक के साथ पेपरवेट बना लें। इससे आपके पैसे बच जाएंगे और बेकार प्लास्टिक का प्रयोग भी हो जाएंगा।

6.कलर प्लेट
अगर आप पेंटर हैं तो आप इन कपों में ही रंगों का इस्तेमाल कर सकते हैं और इनमें कलर भी नहीं सूखते हैं

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

राजौरी उपायुक्त ने यात्री ग्राउंड में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

राजौरी 25 जुलाई। राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए यात्री ग्राउंड में की जा रही व्यवस्थाओं का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने विभागों के बीच निर्बाध समन्वय और सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने के लिए आयोजन स्थल पर एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। उपायुक्त ने जलापूर्ति, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता और जैव-शौचालय की स्थापना सहित प्रमुख सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने यात्रियों की सुविधा और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुरुष और महिला सुविधाओं के लिए अलग-अलग साइनेज लगाने के निर्देश दिए। आयोजन स्थल की अग्नि सुरक्षा ऑडिट पर विशेष जोर दिया गया। संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि सभी एहतियाती उपाय किए जाएँ और महत्वपूर्ण स्थानों पर आवश्यक उपकरण लगाए जाएँ। उपायुक्त ने किसी भी सुरक्षा खतरे से बचने के लिए आयोजन स्थल और उसके आसपास के पेड़ों की छंटाई की भी समीक्षा की। तीर्थयात्रियों को बेहतर स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती सुनिश्चित करने के लिए एम्बुलेंस की उपलब्धता, चिकित्सा टीमों की तैनाती, ड्यूटी रोस्टर तैयार करने और आयुष प्रशिक्षकों की तैनाती की भी समीक्षा की गई। बीआरओ को सड़कों के रखरखाव और यह सुनिश्चित करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है कि नौशेरा सुरंग दिन के समय भी चालू रहे, जो सुचारू परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है।

यातायात प्रवाह बनाए रखने के लिए, यातायात पुलिस वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करेगी और पार्किंग व्यवस्था की निगरानी करेगी। किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए एसडीआरएफ की टीमें निर्धारित स्थानों पर तैनात रहेंगी।

आर्मी पब्लिक स्कूल की दो छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर के युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए चयन

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। आर्मी पब्लिक स्कूल (एपीएस) रखमुठी के लिए यह अत्यंत गौरव की बात है कि दो प्रतिभाशाली युवा छात्राओं अभिशी गुप्ता (कक्षा ग्यारहवीं विज्ञान) और सिमरन (कक्षा दसवीं) को आगामी राष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (वाईईपी) में सांस्कृतिक राजदूत के रूप में जम्मू और कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम 22-25 जुलाई, 2025 तक हरियाणा के कुरुक्षेत्र में आयोजित किया गया था। अभिशी गुप्ता और सिमरन ने भाषण प्रतियोगिता में अपने असाधारण प्रदर्शन के लिए सराहनीय प्रशंसा अर्जित की जहाँ उन्होंने अपनी वाक्पटुता, आत्मविश्वास और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने की क्षमता से निर्णायकों को प्रभावित किया। उनकी उपलब्धियाँ न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा को उजागर करती हैं बल्कि एपीएस रखमुठी में पोषित वातावरण और शैक्षणिक उत्कृष्टता को भी दर्शाती हैं। सांस्कृतिक राजदूत के रूप में इन दो प्रतिभाशाली छात्राओं का चयन ऐसे युवा नेताओं को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करता है जो राष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर सकें।

स्मार्ट सार्वजनिक वितरण प्रणाली अगस्त 2025 के मध्य तक लागू हो जाएगी: सतीश शर्मा

श्रीनगर 25 जुलाई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, परिवहन और युवा सेवा एवं खेल मंत्री, सतीश शर्मा ने आज कहा कि बहुप्रतीक्षित स्मार्ट सार्वजनिक वितरण प्रणाली (स्मार्ट पीडीएस) अगस्त 2025 के मध्य तक पूरे जम्मू और कश्मीर में लागू हो जाएगी।

मंत्री ने यह बात केंद्र शासित प्रदेश में स्मार्ट पीडीएस कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कही।

बैठक में आयुक्त सचिव, एफसीएस एंड सीए, सौरभ भगत, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानांतरण प्रक्रिया से जुड़ी तकनीकी टीमों ने भाग लिया।

मंत्री ने कहा कि केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के निर्देशानुसार, जम्मू और कश्मीर

राष्ट्रीय आरसीएमएस (राशन कार्ड प्रबंधन प्रणाली) ढांचे के तहत स्मार्ट पीडीएस को पूरी तरह से अपनाने वाला देश का पहला केंद्र शासित प्रदेश बनने की राह पर है।

मंत्री ने कहा, स्मार्ट पीडीएस खाद्य वितरण में एक परिवर्तनकारी सुधार है जो पारदर्शिता, दक्षता और सेवाओं की पोर्टेबिलिटी सुनिश्चित करता है। इस बदलाव के साथ, जम्मू-कश्मीर में 25 लाख से अधिक राशन कार्ड धारकों और लगभग 1.02 करोड़ राशन लाभार्थियों को एक निर्बाध और अधिक जवाबदेह प्रणाली का अनुभव होगा। बैठक में बताया गया कि स्मार्ट पीडीएस प्रणाली और वन नेशन वन राशन कार्ड के तहत अब जम्मू-कश्मीर के लाभार्थी पूरे भारत में अपने हक का राशन प्राप्त कर सकते हैं और इसके विपरीत, जम्मू-कश्मीर के लाभार्थी भी पूरे भारत में अपने हक का राशन प्राप्त कर सकते हैं।

कुख्यात अपराधी हरीश कुमार पर पीएसए के तहत मामला दर्ज

कठुआ/बिलावर 25 जुलाई (हि.स.)। आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध एक बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए कठुआ पुलिस ने कई आपराधिक मामलों में संलिप्तता के बाद एक कुख्यात अपराधी पर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट कठुआ के निर्देश पर आरोपी हरीश कुमार उर्फ शैली पुत्र नरिंदर कुमार निवासी वार्ड 06 बिलावर जिला कठुआ के विरुद्ध वारंट जारी किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ के समग्र पर्यवेक्षण में, बिलावर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में बिलावर थाना पुलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया और जिला पुलिस से आरोपी के विरुद्ध डोजियर प्राप्त होने के बाद जिला मजिस्ट्रेट कठुआ द्वारा जम्मू-कश्मीर लोक सुरक्षा अधिनियम 1978 की धारा 8 (1) (ए) के तहत उक्त वारंट जारी किया गया। उक्त आरोपी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने का आदी था और उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। शुक्रवार को वारंट तामील कर दिया गया और आरोपी को जिला जेल राजौरी भेज दिया गया।

जम्मू में आदिवासी युवक की फर्जी मुठभेड़ मामले में मंत्री जावेद अहमद राणा ने न्याय का आश्वासन दिया

जम्मू 25 जुलाई (हि.स.)। जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने बीते कल जम्मू में हुई एक मुठभेड़ में एक आदिवासी युवक मोहम्मद परवेज की हत्या से जुड़े गंभीर आरोपों का संज्ञान लिया।

मंत्री राणा ने तत्काल स्पष्टीकरण मांगने और इस संवेदनशील मामले की गहन जाँच सुनिश्चित करने के लिए जम्मू के संभागीय आयुक्त और पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) से बात की। एक प्रवक्ता ने मंत्री राणा के हवाले से बताया कि इस मामले में सच्चाई का पता लगाने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए जाँच शुरू की जा रही है। राणा ने इस अत्यंत कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। मंत्री राणा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली जम्मू-कश्मीर सरकार इस मामले में न्याय सुनिश्चित करेगी। को मंत्री ने कहा है कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार जनजातीय समुदाय के अधिकारों और सम्मान की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हेरोइन (चिट्टा) की खुलेआम और अनियंत्रित बिक्री पर गंभीर चर्चा की

जम्मू, 25 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी जम्मू और कश्मीर के उपाध्यक्ष श्री राजीव राजपूत चरक ने आज राजीव नगर, नरवाल क्षेत्र का दौरा किया और स्थानीय निवासियों के साथ इलाके में हेरोइन (चिट्टा) की खुलेआम और अनियंत्रित बिक्री पर गंभीर चर्चा की। बढ़ते नशे के खतरे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, उन्होंने उस भयावह भविष्य पर प्रकाश डाला जो अगली पीढ़ी का इंतजार कर रहा है यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। श्री चरक ने कहा- हर दिन, नशे के ओवरडोज़ के कारण एक युवा जीवन खो जाता है - हर दिन, एक घर का उजाला बुझ जाता है। राजीव नगर, नरवाल में नशे का धंधा बेखौफ चल रहा है। यह खामोश नरसंहार - इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है? समाज कब तक अंधा रहेगा? प्रशासन कब जागेगा? लोग कब बोलेंगे? हर खामोशी एक और मौत को न्योता देती है। एक कड़ा और गंभीर सवाल उठाते हुए उन्होंने पूछा- जब मेडिकल रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से ओवरडोज़ को मौत का कारण बताया गया है, तो ड्रग डीलरों पर हत्या का आरोप क्यों नहीं लगाया जा रहा है? इस संकट को केवल एक सामाजिक मुद्दा नहीं, बल्कि एक मूक नरसंहार बताते हुए, श्री चरक ने नशीली दवाओं के खतरे के खिलाफ एक एकीकृत और निर्णायक जन आंदोलन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, यह मौत का नाच बेकाबू हो गया है। अब केवल सरकार या पुलिस पर निर्भर रहने का समय नहीं है - यह समाज के एकजुट और दृढ़ संकल्पित होने का समय है। युवाओं और उनके परिवारों की दुर्दशा के प्रति गहरी सहानुभूति व्यक्त करते हुए उन्होंने आगे कहा- आज ज़्यादातर परिवारों में केवल एक ही बच्चा है। माता-पिता उन्हें प्यार और सपनों के साथ पालते हैं - लेकिन युवावस्था में ही उन्हें नशे के जहर में खो देते हैं। अंत में, उन्हीं माता-पिता को अपने इकलौते बेटे का अंतिम संस्कार करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे बड़ी सामाजिक त्रासदी और क्या हो सकती है?

मुख्य सचिव द्वारा जम्मू-कश्मीर में बीआईएसएजी-एन संचालित आईटी पहलों की समीक्षा

श्रीनगर 25 जुलाई। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में शासन और नागरिक-केंद्रित सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए चल रही सूचना प्रौद्योगिकी पहलों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में बीआईएसएजी-एन के विशेष महानिदेशक विनय ठाकुर के अलावा आईटी विभाग के सचिव और संबंधित प्रशासनिक सचिव, योजना महानिदेशक, राज्य सूचना विज्ञान केंद्र, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने लोगों के जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के लिए लागू किए जा रहे डिजिटल हस्तक्षेपों का विस्तृत मूल्यांकन किया। आईटी प्लेटफॉर्म को और अधिक प्रभावशाली बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित डैशबोर्ड के डिज़ाइन और कार्यक्षमता में महत्वपूर्ण सुधार का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि अन्य प्रासंगिक प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण के माध्यम से उन्हें और अधिक जीवंत, सूचनात्मक और परिणाम-उन्मुख बनाया जाए। किसान खिदमत घर डैशबोर्ड के संबंध में, मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि इसमें .षि उद्यमियों के कामकाज पर वास्तविक समय के आंकड़े दर्शाए जाने चाहिए और बेहतर दक्षता और उत्पादकता के लिए उन्हें उपलब्ध कराए जाने वाले सहायता तंत्रों का वर्णन किया जाना चाहिए। उन्होंने युवा ऐप के उन्नयन रोडमैप की भी समीक्षा की, और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव और लाभ के लिए आवेदन उपयोग पैटर्न, आवेदन जमा करने की ट्रैकिंग, डीपीआर निर्माण और एमएसएमई स्वास्थ्य क्लिनिक और ओएनडीसी प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण पर गहन जानकारी देने का आह्वान किया।

19 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कियों और लड़कों के लिए अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन

घगवाल, 25 जुलाई (हि.स.)। युवा सेवा एवं खेल विभाग द्वारा आज वार्षिक गतिविधियों के कैलेंडर के अंतर्गत राजकीय उच्च विद्यालय जतवाल में 19 वर्ष से कम आयु वर्ग के लड़कियों और लड़कों के लिए वॉलीबॉल, कबड्डी, कुश्ती और खो-खो खेलों में अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इसके बाद चयन समितियों ने आगामी अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्षेत्रीय टीमों का चयन किया। इस प्रतियोगिता में कुल 186 खिलाड़ियों (19 वर्ष से कम आयु वर्ग में 48 लड़कियां और 138 लड़के) ने भाग लिया। यह गतिविधि श्रीमती अनुराधा गुप्ता महानिदेशक युवा सेवा एवं खेल विभाग जम्मू एवं कश्मीर के संरक्षण और डीवाईएसएसओ सांबा धर्मवीर सिंह के कुशल नियंत्रण में संपन्न हुई। आयोजन समिति का नेतृत्व क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी घगवाल विकास मलगोत्रा ने किया। आज का परिणाम-अंडर-19 वर्ष बालिका वर्ग कबड्डी में-एचएसएस राजपुरा ने एचएसएस घगवाल को 5 अंकों से हराया। वॉलीबॉल में-एचएसएस घगवाल ने एचएसएस राजपुरा को 2-1 सेटों से हराया। खो-खो में-एचएसएस राजपुरा ने एचएसएस घगवाल को 4 अंकों से हराया।?

वहीं अंडर-19 वर्ष बालक वर्ग में-कबड्डी में-एचएसएस घगवाल ने एमईआई घगवाल को 1 अंक से हराया। वॉलीबॉल में-एचएसएस घगवाल ने एमईआई घगवाल को 2-1 सेटों से हराया। खो-खो में-एचएसएस राजपुरा ने एसएनवीपी राजपुरा को 2 अंकों से हराया। अंत में क्षेत्रीय निर्वाचन अधिकारी घगवाल ने खिलाड़ियों और क्षेत्र घगवाल के सभी संबंधित क्षेत्रीय कर्मचारियों से उनके आस-पास के क्षेत्र में पौधारोपण अभियान शुरू करने के लिए बातचीत की। उन्होंने यह भी कहा कि अपने इलाके में जागरूकता पैदा करने की बहुत आवश्यकता है।

हायर सेकेंडरी स्कूल भालरा में वन महोत्सव का आयोजन

अमीर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 25 जुलाई। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और विशेष रूप से हिमालयी क्षेत्र में वनों की अंधाधुंध कटाई पर चिंता व्यक्त करने के उद्देश्य से आज पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल भालरा में वन महोत्सव मनाया गया।यह कार्यक्रम 10 जेएंडके बटालियन एनसीसी भद्रवाह के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर एनसीसी जेके एंड एल निदेशालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर डी. एन. पांडे मुख्य अतिथि थे, जबकि 10 जेएंडके बटालियन एनसीसी भद्रवाह के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मनुजेन्द्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने जूनियर डिवीजन एनसीसी कैडेट्स से बातचीत की और क्षेत्र में पर्यावरणीय क्षरण को लेकर उनकी जागरूकता और अनुशासन की सराहना की। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर डॉ. संजीव कुमार कौल ने कैडेट्स की उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और वृक्षारोपण अभियान में उनकी भागीदारी की सराहना की, जो इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा कैडेट कुश कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए वनीकरण और पारिस्थितिक संतुलन के महत्व पर जोर दिया। इस अवसर पर कैडेट्स द्वारा एक औपचारिक परेड और

एनसीसी कक्षा का आयोजन भी किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि को पायलटिंग ऑनर प्रदान किया गया। अन्य प्रतिभागियों में स्टाफ सदस्य डॉ. नितन सिंह, वसीम क़ाज़ी, ओम प्रकाश (सीनियर प्रवक्ता), निर्भीक सिंह, विपिन कोटवाल और सुनील कोटवाल शामिल रहे

'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जागरूकता एवं वितरण शिविर का आयोजन

बिलावर, 25 जुलाई। समाज कल्याण विभाग बिलावर ने आज बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना के अंतर्गत एक जागरूकता एवं वितरण शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, अधिकारियों और स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बिलावर विधायक सतीश शर्मा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2015 में शुरू की गई बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की सराहना करते हुए इसे बालिकाओं की सुरक्षा और शिक्षा के लिए एक दूरदर्शी पहल बताया। उन्होंने रानी लक्ष्मी बाई, कर्नल सोफिया और ऑपरेशन सिंदूर की विंग कमांडर वियोमिका सिंह का

उदाहरण देते हुए विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और छात्राओं को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। विधायक शर्मा ने स्वयं बालिकाओं को स्कूल किट और उपहार वितरित किए और उनके प्रदर्शन और भागीदारी की सराहना की। उन्होंने जमीनी स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए समाज कल्याण विभाग और अधिकारियों के प्रयासों की भी सराहना की। जिला उपायुक्त मंडली नीरू बाला ने अपने विचार साझा किए और लाडली बेटी जैसी पूरक योजनाओं पर प्रकाश डाला, जिससे महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। जिला आयुक्त बिलावर विश्व बंधु शर्मा ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का विस्तृत विवरण दिया और बताया कि कार्यक्रम के दौरान 100 स्कूल बैग किट, 8 चाइल्ड केयर किट और विभिन्न उपहार वितरित किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया भड्डू क्लस्टर प्रमुख मोहिंदर गुप्ता, क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारी सुशीला, प्रधानाध्यापक उच्च शिक्षा धर्मकोट दीप राज शर्मा और मिशन शक्ति के अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर रेलवे

आवेदन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर के माध्यम से फिरोजपुर मंडल के हॉल्ट स्टेशनों पर टिकट वितरण करने हेतु हॉल्ट ठेकेदार की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं:-

1	कार्य का नाम	फिरोजपुर मण्डल (1) बोलीना दोआबा (2) मालूपोता (3) मढ़शंकर (4) घल्लू (5) सैलाखुर्द (6) शाम चौरासी (7) खटकड़ कलां झंझा जी (8) जैजों दोआबा (9) जमशेर खास हॉल्ट स्टेशन आगामी 5 वर्ष के लिए ठेके का आबंटन
2	निविदा जमा करने कि अंतिम तिथि व निविदा खुलने का समय	दिनांक 25.08.2025 को 15:00 बजे तक (किसी कारण बस कार्यालय बंद होने की स्थिति में आवेदन पत्र अगले कार्य दिवस पर खोलें जायेंगे।
3	कार्यालय का पता तथा तारीख जहाँ से आवेदन पत्र प्राप्त किये जा सकते है।	वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर दिनांक 25.07.2025 से 25.08.2025 तक किसी भी कार्य दिवस पर तथा उत्तर रेलवे की वेब साईट www.nr.indianrailways.gov.in से डाउन लोड किए जा सकते हैं।

इस आबंटन से संबन्धित दस्तावेज जैसे आवेदन पत्र, अनुदेश करारनामा एवम नियम व शर्तों को उत्तर रेलवे कि बेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर से डाउनलोड किये जा सकते है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2267/25

जेके सेहत ऐप डाउनलोड कर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया

कठुआ 25 जुलाई (हि.स.)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री द्वारा आधिकारिक तौर पर लॉन्च की गई जेके सेहत ऐप के कामकाज और उपयोग के संबंध में सचिव स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जेकेयूटी के निर्देशों पर डॉ विजय रैना मुख्य चिकित्सा अधिकारी कठुआ ने शुक्रवार को पत्रकारवार्ता कर जेके सेहत ऐप की विस्तृत जानकारी दी।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए डॉ विजय रैना ने नागरिक-अनुकूल डिजिटल हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म के रूप में जेके सेहत ऐप के महत्व पर जोर दिया, जो जम्मू और कश्मीर के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा के अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान करता है। ऐप में टेली-परामर्श, अपॉइंटमेंट बुकिंग, स्वास्थ्य ट्रैकिंग, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड और आपातकालीन देखभाल, 108/102 सेवाओं का उपयोग जैसी विशेषताएं शामिल हैं, जिससे यह स्वास्थ्य पेशेवरों, रोगियों और मेडिकल छात्रों के लिए एक अमूल्य संसाधन बन गया है। अपने संबोधन में सीएमओ कठुआ ने जिले के प्रत्येक नागरिक से जेके सेहत ऐप डाउनलोड करने और बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए इसके ऑफर का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने मीडिया कर्मियों से भी अपील की कि वे अपने सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से ऐप का प्रचार करके इस पहल का समर्थन करें, ताकि समुदाय में इसकी पहुँच और प्रभाव को अधिकतम किया जा सके। सीएमओ ने प्रत्येक नागरिक को इस अभिनव मंच का लाभ उठाने और अपनी स्वास्थ्य सेवा यात्रा में सक्रिय भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

जम्मू कश्मीर संस्कृति और अध्यात्म का जीवंत संगम: रजनी

जम्मू, 25 जुलाई (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर जिसे अक्सर भारत का मुकुट कहा जाता है अपार सांस्कृतिक, धार्मिक और भौगोलिक विविधताओं वाला देश है। यह क्षेत्र न केवल अपने मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों और बर्फ से ढके पहाड़ों के लिए जाना जाता है बल्कि अपनी जीवंत परंपराओं, समृद्ध विरासत और गहरी आध्यात्मिक जड़ों के लिए भी जाना जाता है। विभिन्न जातियों, समुदायों और धर्मों के लोग यहाँ शांतिपूर्वक सह-अस्तित्व में रहते हैं जो विविधता में एकता के एक सुंदर संगम का निर्माण करते हैं।

जम्मू और कश्मीर दोनों संभाग पर्यटन स्थलों से भरे हुए हैं जो देश-विदेश से लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। जहाँ कश्मीर अपनी घाटियों, उद्यानों और झीलों के लिए जाना जाता है वहीं जम्मू भी आध्यात्मिक पर्यटन में उतना ही महत्वपूर्ण स्थान रखता है, क्योंकि इसे मंदिरों का शहर कहा जाता है। रघुनाथ मंदिर, रणवीरेश्वर मंदिर और माता वैष्णो देवी मंदिर जैसे मंदिर इस क्षेत्र की आध्यात्मिक पहचान के केंद्र में हैं।

वर्तमान में पवित्र अमरनाथ यात्रा चल रही है जो पूरे जम्मू और कश्मीर में आध्यात्मिक लहर ला रही है। इस वार्षिक तीर्थयात्रा में लाखों श्रद्धालु हिमालय में पवित्र अमरनाथ गुफा की यात्रा करते हैं जो केंद्र शासित प्रदेश के आध्यात्मिक चरित्र और धार्मिक सद्भाव को सुदृढ़ करता है।

पूर्व सैनिकों के सम्मेलन का आयोजन

पुंछ, 25 जुलाई (हि.स.)। पुंछ ज़िले के धन्ना में आज एक पूर्व सैनिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा सशक्तिकरण और सहभागिता को बढ़ावा देते हुए हमारे सम्मानित पूर्व सैनिकों के साथ संबंधों को मज़बूत करना था।

इस सम्मेलन में विभिन्न सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों सहित विभिन्न पूर्व सैनिकों का एक विविध समूह एकत्रित हुआ जिससे उन्हें अपने अनुभव, चुनौतियाँ और बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा करने का अवसर मिला। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों (ईएसएम) के साथ बातचीत करना, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और उनके कल्याण के प्रति

समुदाय की प्रतिबद्धता की पुष्टि करना था। यह पहल स्थानीय युवाओं के लिए एक प्रेरक मंच के रूप में भी काम आई और उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। पूर्व सैनिकों की विभिन्न सफलता की कहानियों ने युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने को एक प्रतिष्ठित और संतुष्टिदायक करियर विकल्प के रूप में देखने के लिए प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में खेल पोषण और चोट प्रबंधन पर एक जानकारीपूर्ण सत्र भी शामिल था जिसमें सशस्त्र बलों की चयन प्रक्रियाओं के दौरान आमतौर पर होने वाली खेल-संबंधी चोटों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

संपादकीय

हमले को उचित ठहराना अनुचित

हाल ही में, जीएमसी एंड एच जम्मू के आपातकालीन वार्ड में ब्रेन हेमरेज के इलाज के दौरान अपने पिता की मृत्यु के बाद एक महिला परिचारिका द्वारा जूनियर महिला डॉक्टर पर हमला करने के मामले ने इस बहस को जन्म दिया है कि क्या दुःख और तनाव में उक्त परिचारिका का व्यवहार स्वीकार्य था या नहीं? गौरतलब है कि मृतक मरीज की बेटी और अन्य रिश्तेदारों ने जूनियर डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस घटना के कारण जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल कर दी, जिससे जीएमसी एंड एच जम्मू में स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा गईं और उक्त मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल को आपातकालीन सेवाओं और अन्य संबद्ध सुविधाओं के संचालन के लिए वरिष्ठ शिक्षकों को नियुक्त करना पड़ा। अंततः, आरोपी लड़की की गिरफ्तारी के बाद, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों ने अपनी हड़ताल वापस ले ली और अपनी ड्यूटी पर लौट आए। मामले में आरोपी लड़की की गिरफ्तारी के बाद, सोशल मीडिया पर एक अजीबोगरीब बात सामने आई, जिसमें बड़ी संख्या में नेटिज़न्स ने उस लड़की के समर्थन में आवाज़ उठाई, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया था और जिस पर महिला डॉक्टर पर हमला करने का मामला दर्ज किया गया था। यह अजीब है कि जम्मू-कश्मीर और कुछ मामलों में केंद्र शासित प्रदेश के बाहर से भी बड़ी संख्या में लोग डॉक्टर पर हमला करने वाले के समर्थन में खड़े हुए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि समाज अक्सर ऐसी चीज़ों का समर्थन करता है जो क़ानून द्वारा निषिद्ध हैं, क्योंकि किसी भी प्रकार की हिंसा अवैध है। बड़ा सवाल यह है कि अगर हमलावर कोई पुरुष या लड़का होता, तो क्या ये लोग उसका उसी ज़ोर-शोर से समर्थन करते? समय की माँग है कि नागरिकों को देश के क़ानून की जानकारी हो और उन्हें ऐसी किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल नहीं होना चाहिए। लोगों को भी ऐसे कृत्यों का समर्थन नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे गलत मिसालें बन सकती हैं, जैसा कि एक हफ़्ते से भी कम समय में श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल में डॉक्टरों पर हमले का एक और मामला सामने आने पर देखा गया। हालाँकि दुःख और क्षति मानवीय भावनाएँ हैं जो सहानुभूति की माँग करती हैं, लेकिन यह किसी भी स्थिति में हिंसा को उचित नहीं ठहराता। यह सही समय है कि सरकार, लोग और पुलिस मिलकर अस्पतालों को उपचार का स्थान बनाएँ, न कि दोषारोपण और झगड़ों का अड्डा। कुल मिलाकर, भावनात्मक संकट के तहत हिंसा को सामान्य मानना पूरी तरह से अनुचित है और इसलिए लोगों को ऐसी स्थितियों में संयम बरतना चाहिए और ऐसी राह पर चलने की कोशिश करनी चाहिए जो वास्तविक और वैध भी हो।

a

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता- नए भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

- पीयूष गोयल

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए)भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोज़गार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा औरप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा।

भारत औरब्रिटेनव्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्व प्नक को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति-वर्ष 2014 में, मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनर्स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्यस बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए,व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में, विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थीऔर उस समय भारत को दुनिया की पाँच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीनगुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्यथ के रूप में उभरने मेंसहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त- यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यानपक अवसरों केवर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेनमें अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोज़गार- आकर्षक बाज़ार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त सेनिर्यातस्था यित्वे के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन मेंवृद्धिहोगी। भारत वस्त्रस, चमड़ा और जूतेसे जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायतामिलने के साथ ही यह छोटे व्या वसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा।

रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम- 95प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाज़ार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाज़ार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा।

हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोज़गार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमज़ोर वर्गों की सुरक्षा- घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीएमें भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है।

ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमज़ोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास- भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे।

झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगा।

यह संभावना अभूतपूर्व है क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर-यह समझौता आईटी/आईटीईएस, वित्तीय सेवाऔर शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सज़ृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत नेअनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए-प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावाअन्यए महत्वधपूर्ण बातें शामिल हैं। इसएफटीए ने नए मानक स्थापित किए हैं। इस ईएफटीए के साथ, भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ, भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आईटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था।

इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं-व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्सागहन और बढ़ावा देने के लिएनीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वार्तालाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नतता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीईटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

तकनीक बन रही है जनकल्याण का माध्यम

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि तकनीक मात्र उपकरण बनें तो यह मानवता के हित में नहीं हो सकती। ऐसे में तकनीक को जनकल्याण का माध्यम बनाना होगा। डिजिटल युग में बहुत कुछ बदला है। हमारे सोच का तरीका बदला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में आज सामान्य मानव मन से भी अधिक तेजी से तकनीक काम करने लगी है। तकनीक ने इतना विकास कर लिया है कि अब मशीनें सोचने लगी है। हमारे चिंतन और मनन को प्रभावित करने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक ने जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रवेश करने के साथ सहज बनाया है। समय तो यहां तक बदल गया है कि अब पढ़ना-लिखना ही नहीं तकनीक ने सोचना और निकश तक पहुंचना आरंभ कर दिया है। यह विकास का उजला पक्ष होने के साथ ही इसके पीछे छुपा काला पक्ष भी गंभीर है। हांलाकि प्रकृति अपना काम कर रही है और वह लगातार हमें चेतावनी देती जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारे जीवन का हिस्सा बन चुकी है। वह हमारे निर्णयों को प्रभावित कर रही है, हमारी प्राथमिकताएं तय कर रही है, और हमारी सोच को प्रभावित कर रही है। इस दौर में हमें ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो तकनीक के चमत्कारों को संवेदनशीलता और दूरदृष्टि के साथ दिशा दे।

एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सटीक और सामयिक टिप्पणी की है। दरअसल टेक्नोलॉजी का लोकतंत्रीकरण होना चाहिए। हमें जन-केंद्रित एप्लिकेशन बनाने चाहिए। साथ ही हमें साइबर सुरक्षा, दुष्प्रचार और डीपफेक जैसी चुनौतियों का समाधान भी करना होगा।卐 डिजिटल नवाचार का उपयोग अब पारदर्शिता, सहभागिता और संवेदनशील सेवा-प्रणाली के रूप में सामने आ रहा है। हमारा देश आज एआई और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रख रहा है। 2024 में केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित इण्डिया एआई मिशन इसका जीता जागता उदाहरण है। इस मिशन के तहत 10,300 करोड़ रु. के निवेश से देश में एक विश्वस्तरीय एआई कंप्यूटिंग इन्फास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य है 18,693 जीपीयू से लैस साझा कंप्यूटिंग क्षमता विकसित कर भारत को वैश्विक एआई शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा करना है। विशेषज्ञों को मानना है कि यह सिस्टम ओपन-सोर्स एआई मॉडल डीपसीक से 9 गुना अधिक सक्षम होगा और चैटजीपीटी जैसी प्रणालियों की दो-तिहाई शक्ति तक पहुंचेगा। यानी यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं होगी अपितु डिजिटल क्षेत्र में भारत को आत्मसम्मान व दुनिया के देशों की अग्रणी पंक्ति में खड़ा करने की घोषणा है।

दरअसल तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के उद्देश्य से होना चाहिए। सरकारें इस बात को समझती है और यही कारण है कि ई-गवर्नेंस से लेकर डिजिटल शिक्षा, एआई आधारित स्वास्थ्य सेवाओं और नागरिक सुविधा केंद्रों तक हर नीति के केंद्र में आम आदमी है, सिस्टम नहीं। राज्यों में तकनीक को 'डिजिटल एक्सेस' के बजाय 'डिजिटल एम्पावरमेंट' के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। और यही बदलाव राज्यों को एक सॉफ्ट-टेक्नोलॉजिकल स्टेट बना रहा है। राज्यों में चल रहे हरित अभियान, जल संरक्षण योजनाएं, सौर ऊर्जा प्रोत्साहन और ईको-टूरिज्म और इसी तरह की अन्य पहल इस सोच के साथ धरातल पर उतर रही हैं। यहां तक कि मानसिक स्वास्थ्य अभियान, डिजिटल डिटॉक्स क्लासेस और संस्कार संवाद जैसे कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। ताकि युवा स्मार्टफोन के स्क्रीन से आगे सोच सकें और अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

आज सवाल यह नहीं कि हमें तकनीक से डरना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि हम तकनीक को किस नैतिक दायरे में संचालित कर सकते हैं। केन्द्र के साथ ही राज्यों की सरकारें इसे समझने लगी है और यह कारण है कि राज्यों द्वारा तकनीक का उपयोग भविष्य की संभावनाओं और जनकल्याण नीतियों के रुप में सामने आ रहा है।

डॉ. सुबोध अग्रवाल,(आईएएस)

अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार

साभार : प्रभासाक्षी

आइए मनाएं कारगिल विजय दिवस

योगेश कुमार गोयल

इस साल 26 जुलाई को देश कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ मनाएगा। भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को बुरी तरह धूल चटाई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर के कारगिल जिले में हुआ वह युद्ध 60 दिनों तक चला था और पाकिस्तान फौज की करारी शिकस्त के बाद 26 जुलाई 1999 को समाप्त हुआ था। पाकिस्तान पर भारत की इस जीत को याद करते हुए 26 जुलाई की तारीख को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। पाकिस्तान के सैनिकों और भाड़े के आतंकवादियों को मारकर या खदेड़कर कारगिल की चोटियों पर कब्जा करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन विजय के तहत तमाम बाधाओं को पार करते हुए हमारे वीर जांबाजों ने उन्हें कारगिल से खदेड़कर दुर्गम चोटियों पर जीत का परचम लहराया था लेकिन देश को इसकी बहुत भारी कीमत भी चुकानी पड़ी थी।

दरअसल उस युद्ध में भारत को विजय दिलाने में भारतीय सेना के सैंकड़ों जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में न केवल भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए बल्कि दो महीने तक चले उस युद्ध के दौरान 453 आम नागरिक भी मारे गए। इसीलिए भारतीय सेना की उस विजय के बाद सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 26 जुलाई को भारतीय सेना के शौर्य दिवस के रूप में कारगिल विजय दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया। सही मायनों में कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को स्मरण करने तथा उनके बलिदान को सम्मान देने का दिन है और 26 जुलाई का दिन विशेष रूप से देश के इन्हीं वीर सपूतों को समर्पित है। देश के जन-जन तक कारगिल युद्ध के इन्हीं नायकों के शौर्य और पराक्रम की गाथा पहुंचाने के लिए ही यह दिवस मनाया जाता है।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार कारगिल युद्ध हुआ था, जब दोनों देश सीधे तौर पर सैन्य संघर्ष में शामिल हुए थे। कारगिल युद्ध भारतीय सीमा क्षेत्र में पाकिस्तानी सैनिकों और कश्मीरी आतंकवादियों की घुसपैठ का ही परिणाम था। उस भीषण युद्ध में वायु शक्ति, तोपखाने और पैदल सेना के संचालन का व्यापक उपयोग किया गया था। युद्ध की खास बात यह थी कि वह युद्ध काफी ऊंचाई पर लड़ा गया था, जिसमें कुछ सैन्य चौकियां तो 18 हजार फुट से भी ज्यादा ऊंचाई पर स्थित थी। ऐसे में भारतीय सैनिकों के लिए वह लड़ाई बेहद चुनौतीपूर्ण थी लेकिन हमारे जांबाजों ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर न केवल पाकिस्तान को उसकी असली औकात दिखाई बल्कि 700 से भी ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट भी उतारा। दुश्मन को रणनीतिक स्थानों से हटाने के लिए महत्वपूर्ण हवाई हमले करते हुए भारतीय वायुसेना ने उस युद्ध के दौरान बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय सेना ने युद्ध के दौरान टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वाइंट 4875 सहित अन्य रणनीतिक चोटियों पर फिर से कब्जा कर लिया था।

कारगिल युद्ध की शुरुआत 26 मई 1999 को भारतीय सेना के हवाई हमले के साथ हुई थी। दरअसल भारतीय सेना को 3 मई 1999 को कारगिल में स्थानीय चरवाहों द्वारा पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के बारे में सतर्क किया गया था और उसके दो ही दिन बाद 5 मई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय सेना के कम से कम 5 जवानों को मार डाला था। उसके बाद 10 मई 1999 को भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय की शुरुआत की गई। उस दौरान कारगिल में पाकिस्तान की सेना ने भारतीय सेना के गोला-बारूद भंडार को निशाना बनाया। 26 मई को भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों पर हवाई हमला किया। 27 मई को भारतीय वायुसेना का एक मिग-27 गिर गया, जिसमें चार क्रू सदस्यों की मौत हो गई लेकिन विमान से बाहर निकलने वाले पायलट को पाकिस्तानी सैनिकों ने युद्धबंदी के रूप में पकड़ लिया। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 31 मई 1999 को घोषणा की कि कारगिल में युद्ध जैसी स्थिति है, जिसके बाद अमेरिका, फ्रांस सहित कुछ देशों ने अगले ही दिन भारत के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। भारतीय सेना ने 5 जून 1999 को कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज जारी किए, जिनसे पूरी दुनिया के समक्ष पाकिस्तान की करतूत का खुलासा हुआ।

भारतीय सेना ने 9 जून 1999 को कारगिल के बटालिक सेक्टर में दो महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अगले ही दिन पाकिस्तान ने जाट रेजिमेंट के 6 सैनिकों के शव क्षत-विक्षत हालत में भारत को लौटाए। 13 जून 1999 को भारत ने युद्ध की दिशा बदलते हुए महत्वपूर्ण टोलोलिंग चोटी पर भी कब्जा कर लिया और तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कारगिल का दौरा किया। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 15 जून 1999 को नवाज शरीफ से पाकिस्तानी सैनिकों को पीछे हटाने का आग्रह किया लेकिन पाकिस्तान ने उस अपील को अनसुना कर दिया। 11 घंटे के भीषण संघर्ष के बाद भारतीय सेना ने 20 जून 1999 को टाइगर हिल के पास प्वाइंट 5060 और प्वाइंट 5100 पर भी पुनः कब्जा कर लिया। बिल क्लिंटन ने 5 जुलाई 1999 को नवाज शरीफ से मुलाकात की, जिसके बाद पाकिस्तान ने कारगिल से पाकिस्तानी सैनिकों को हटाने की घोषणा की। 11 जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया और भारतीय सेना ने बटालिक की प्रमुख चोटियों पर कब्जा कर लिया। भारतीय सेना ने 14 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय की सफलता की घोषणा की और 26 जुलाई 1999 को वीर 527 सैनिकों की शहादत के बाद कारगिल युद्ध समाप्त हुआ।

बहुत ऊंचाई पर लड़े गए उस भीषण युद्ध के दौरान अपनी बहादुरी और साहसिक कार्यों के लिए कई सैन्य अधिकारी राष्ट्रीय नायक बन गए, जिनमें 13 जेएके राइफल्स के कैप्टन विक्रम बत्रा, 18 ग्रेनेडियर्स के ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, 1/11 गोरखा राइफल्स के लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, 18 ग्रेनेडियर्स के लेफ्टिनेंट बलवान सिंह, एएससी, 2 राज आरआईएफ के कैप्टन एन केंगुरुसे प्रमुख रूप से शामिल हैं। युद्ध के दौरान भारत सेना के अनेक नायकों ने अपने प्राणों की आहुति इसीलिए दी ताकि पूरा देश चैन की नींद सो सके। कारगिल युद्ध में शौर्य और पराक्रम के लिए ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव तथा लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे को परमवीर चक्र और लेफ्टिनेंट बलवान सिंह को महावीर चक्र से सम्मानित किया गया। कैप्टन एन केंगुरुसे को मरणोपरांत महावीर चक्र और कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र प्रदान कर उनकी शहादत का सम्मान किया। कारगिल युद्ध के दौरान कैप्टन विक्रम बत्रा के शब्द, 'ये दिल मांगे मोर' तो अब भी लोगों के कानों में गूंजते हैं। कारगिल युद्ध के ऐसे ही वीर नायकों की बहादुरी, साहस और जुनून की कहानियां आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में जोश भर देती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

डूरंड कपः जमशेदपुर एफसी ने त्रिभुवन आर्मी एफसी को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया

एजेंसी

जमशेदपुर। डूरंड कप 2025 के ग्रुप-सी के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में मेजबान जमशेदपुर एफसी ने नेपाल की त्रिभुवन आर्मी एफसी को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की। जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मैच में जमशेदपुर की जीत में सार्थक गोलुई (4), मनवीर सिंह (31) और निकिल बरला (71) ने गोल किए, जबकि त्रिभुवन की ओर से कप्तान जॉर्ज प्रिंस कार्की (26) और डिफेंडर अनंता तामांग (6) ने जवाबी गोल किए। जमशेदपुर एफसी के कोच खालिद जमील ने इस मुकाबले में पूरी तरह भारतीय खिलाड़ियों की एकादश उतारी, जिसमें युवाओं को खास मौका दिया गया। वहीं त्रिभुवन आर्मी के कोच मेघराज केसी ने पारंपरिक 4-4-2 फॉर्मेशन में संतुलित टीम उतारी। मैच की शुरुआत से ही मेजबानों ने आक्रामक रुख अपनाया। चौथे मिनट में ही त्रिभुवन के गोलकीपर की गलती का फायदा उठाते हुए सार्थक गोलुई ने पहला गोल दागा और जमशेदपुर को बढ़त दिलाई। इसके बाद नेपाल की टीम ने वापसी करते हुए 26वें मिनट में बराबरी हासिल की। कप्तान जॉर्ज कार्की ने बेहतरीन संयोजन के बाद गेंद को नेट में पहुंचाया। लेकिन जमशेदपुर ने जल्दी ही मनवीर सिंह के जरिये फिर से बढ़त बना ली।

तैराकी प्रतियोगिता के 1500 मीटर फ्री स्टाईल में राज चौहान अव्वल

वाराणसी। खेल निदेशालय लखनऊ और क्षेत्रीय खेल कार्यालय वाराणसी के संयुक्त पहल पर सिगरा स्थित डॉ सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम के तरणताल में प्रदेश स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता की शुरूआत गुरूवार से हुई। उत्तर प्रदेश तैराकी संघ की देखरेख में प्रदेश स्तरीय सब जूनियर,जूनियर बालक,बालिका तैराकी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दमखम दिखाया। इसके पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के तैराकी संघ के कार्यकारी निदेशक राबिन कपूर ने किया। प्रतियोगिता के ग्रुप ए बालक वर्ग में 1500 मी0 फ्री स्टाईल में राज चौहान (स्पो.कालेज सैफई) पहले स्थान पर दूसरे स्थान पर अभिषेक साहनी, (विन्ध्याल), रिशू राज (गोरखपुर) तीसरे स्थान पर रहे । 100 मी0 बैक स्टोक में सहेज धिगरा (मुरादाबाद) प्रथम, अमरजीत कुमार गोड़(स्पो.का.सैफई) दूसरे और तीसरे स्थान पर हर्ष निषाद (विन्ध्यांचल) रहे। इसी तरह 200मी. व्यक्तिगत मिडले में सत्यम साहनी (वाराणसी), विराट निशाद (विन्ध्यांचल), राज चौहान विजेता रहे। 50 मी0 फ्री स्टाईल में अशिलेश यादव (स्पो0कालेज लखनऊ)प्रथम , सत्यम साहनी (वाराणसी) दूसरे और सहेज धिंगरा (मुरादाबाद) तीसरे स्थान पर रहे। चार गुणे 100 फ्री स्टाईल रिले में वाराणसी मण्डल प्रथम, विन्ध्यांचल मण्डल दूसरे और स्पोर्ट कालेज सैफई तीसरे स्थान पर रहा।

अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय टूर्नामेंट ने डोडा में युवा प्रतिभा और खेल भावना का किया प्रदर्शन

डोडा। अंतर-क्षेत्रीय जिला स्तरीय टूर्नामेंट आज यहाँ आयोजित लड़ाकू खेलों की प्रतियोगिताओं के बीच शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और खेल कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य कर रहा है। ताइक्वांडो और कुश्ती (लड़कों के लिए एएजी) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें जिले के विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों से आए 280 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं में युवाओं की उच्च ऊर्जा, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी भावना झलकी जिन्होंने असाधारण खेल कौशल और टीम वर्क का प्रदर्शन किया। उनके समर्पण और उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए विजेताओं और उपविजेताओं को उनकी कड़ी मेहनत और खेल उपलब्धियों को मान्यता देते हुए पदक, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह आयोजन महानिदेशक युवा सेवा एवं खेल, जम्मू-कश्मीर अनुराधा गुप्ता और उपायुक्त हरविंदर सिंह के निर्देशन में संयुक्त निदेशक जम्मू विनाक्षी कौल के मार्गदर्शन और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी (डीवाईएसएसओ) जफर हैदर शेख की देखरेख में किया जा रहा है। इस अवसर पर डीवाईएसएसओ डोडा जफर हैदर शेख ने टूर्नामेंट को सफल बनाने में समर्पित कार्य के लिए पूरे स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से जिले भर के लड़कों और लड़कियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए फील्ड स्टाफ के योगदान की सराहना की।

राष्ट्रीय ताइक्वांडो में वीबीपीएस के बच्चे होंगे शामिल

प्रयागराज। विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल एवं कॉलेज झलवा ने जौनपुर में 20 से 23 जुलाई तक सम्पन्न हुई सीबीएसई ईस्ट जोन ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में चार स्वर्ण एवं एक कांस्य पदक प्राप्त किये हैं। स्वर्ण पदक पाने वाले सभी खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।वीबीपीएस टीम के प्रशिक्षक अनुराग सिंह के अनुसार गुरुनानक देव पब्लिक स्कूल जौनपुर में आयोजित चैम्पियनशिप में अंडर-14 के आयु वर्ग 32 किग्रा. भार वर्ग में लवी चौधरी, अंडर-17 के 45 किग्रा. भार वर्ग में सत्यम यादव व 55 किग्रा भार वर्ग में अपूर्व पाण्डेय एवं अंडर-19 आयु वर्ग में कौशल चौधरी ने स्वर्ण पदक जीता जबकि अंडर-17 आयु वर्ग के 41 किग्रा. भार वर्ग में उत्कर्ष पाण्डेय को कांस्य पदक मिला है। पदक विजेताओं को कॉलेज के प्रबंध निदेशक अभिषेक तिवारी और प्रधानाचार्य दिनेश श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं दी हैं।

ऋषभ पंत की दर्द सहने की क्षमता जबरदस्त, उनका जज़्बा बेजोड़ है : शार्दुल ठाकुर

एजेंसी

मैनचेस्टर। भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की अद्भुत दर्द सहने की क्षमता और बेमिसाल जज़्बे की जमकर तारीफ की। पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के दूसरे दिन चोट के बावजूद बल्लेबाजी कर सभी का दिल जीत लिया। दरअसल, मैच के पहले दिन पंत को क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलते समय पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया और स्कैन के लिए अस्पताल भेजा गया। लेकिन दूसरे दिन, जब पहले सत्र में शार्दुल ठाकुर का विकेट गिरा, तो ऋषभ पंत ने तमाम दर्द को नजरअंदाज करते हुए बल्लेबाजी के लिए मैदान पर वापसी की। ड्रेसिंग रूम का माहौल उस वक्त बेहद भावुक था। दिन के खेल के बाद शार्दुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंत

की हिम्मत और जुझारूपन की तारीफ करते हुए कहा, हम सब यह देखने के लिए उत्साहित थे कि वह अपनी पारी को कैसे आगे बढ़ाएंगे। जो जज़्बा उन्होंने आज दिखाया वह अद्वितीय है। पहले भी हमने ऐसे कई मौके देखे हैं जब खिलाड़ी चोटिल होने के बावजूद मैदान पर डटे रहे। जैसे दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रेम स्मिथ का वह पल, जब उन्होंने फ्रैक्चर हाथ के साथ बल्लेबाजी की थी। इन क्षणों में खिलाड़ी की हिम्मत ही सबसे ज्यादा मायने रखती है। शार्दुल ने आगे कहा कि पंत की सकारात्मकता और जज़्बा उन्हें दर्द से दूर रखता है। उन्होंने कहा, उनकी दर्द सहने की क्षमता बहुत ही ज़्यादा है। अगर वो वाकई दर्द महसूस कर रहे हैं, तो समझिए चोट गंभीर है। लेकिन वो उसे अपने प्रदर्शन पर हावी नहीं होने देते। पंत जब बल्लेबाजी के लिए मैदान में उतरे, उस वक्त वह 37 रन पर नाबाद थे। दर्शकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने लगातार उनके पैर को निशाना बनाया, लेकिन पंत डटे रहे और एक शानदार छक्का और चौके की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। अंततः जोफ्रा आर्चर की गेंद पर वह बोल्ड होकर 54 रन पर आउट हुए। इस पारी के दौरान पंत ने टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में वीरेंद्र सहवाग की बराबरी भी की। दोनों के नाम अब 90-90 छक्के दर्ज हैं।

ओरिएंटल कपःअमिना अब्दाली के 6 गोल से संस्कृति स्कूल की बड़ी जीत, बालक वर्ग के लीग चरण की तस्वीर साफ

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ अंबेडकर स्टेडियम में चल रहे ओरिएंटल कप 2025 के चौथे दिन संस्कृति स्कूल की बालिका टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया। टीम की स्टार खिलाड़ी अमिना अब्दाली ने एकतरफा मुकाबले में छह गोल दागते हुए टैगोर इंटरनेशनल स्कूल को 9-0 से पराजित किया। इस शानदार जीत के साथ संस्कृति स्कूल की टीम ने फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। टीम की ओर से दीक्षा जोशी, श्रीपर्णा मित्रा और अदिति चमोली ने भी एक-एक गोल कर जीत में योगदान दिया। संस्कृति स्कूल की यह दोहरी चैम्पियन टीम कोच केशव चंद्र दुकलान के मार्गदर्शन में खेल रही है।

बालक वर्ग के मुकाबलों में रोमांच, टॉप 6 टीमें लीग चरण में पहुंचीं

बालक वर्ग में दूसरे राउंड के नॉकआउट मुकाबले संपन्न हो गए, जिसके बाद अब लीग चरण की

शुरुआत होने जा रही है। इस चरण में शीर्ष 6 टीमें दो समूहों में बांटी जाएंगी। चयनित टीमें हैं- डीपीएस वसंत कुंज, डीपीएस आरके पुरम, नेवी चिल्ड्रन स्कूल, न्यू ग्रीन फील्ड स्कूल (साकेत), द मदर्स इंटरनेशनल स्कूल और एमिटी इंटरनेशनल स्कूल (नोएडा)।

वाराणसी की हैंडबॉल खिलाड़ी नैना यादव चीन में मोस्ट वेल्यूबल खिलाड़ी घोषित

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद की प्रतिभाशाली हैंडबॉल खिलाड़ी नैना यादव को चीन के जिंघांगशन शहर में आयोजित 11वीं एशियन यूथ वीमेन हैंडबॉल चैंपियनशिप 2025 में बीते शाम मोस्ट वेल्यूबल खिलाड़ी घोषित किया गया। नैना यादव भारतीय टीम की उप कप्तान भी हैं। इसी प्रतियोगिता में वाराणसी की कोमल राय भी हिस्सा ले रही हैं। दोनों खिलाड़ी के बेहतरीन प्रदर्शन पर उनके कोच और परिजनों ने खुशी जताई है। दोनों खिलाड़ी यहां परमानंदपुर स्थित विकास इंटर कालेज की 11वीं की छात्रा हैं। कालेज के प्रधानाचार्य डॉ ए.के. सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के साथ पूरी भारतीय टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभकामना दी है। दोनों खिलाड़ी यहां बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स परमानंदपुर में डॉ आशा सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। बताते चलें गांव के बेहद

गरीब परिवार की दोनों बेटियां पहली बार भारतीय महिला हैंडबॉल टीम में भागीदारी कर रही हैं। दोनों के पिता राजगीर मिस्त्री (भवन निर्माण श्रमिक) हैं, जो अपने परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ बेटियों के सपनों को साकार करने के लिए लगातार मेहनत करते रहे हैं। परिजनों के साथ साथी खिलाड़ियों को पूरी उम्मीद है कि नैना और कोमल चीन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश और जिले का नाम रोशन करेंगी।

काउंटी चैंपियनशिप में भारतीयों का जलवाः तिलक वर्मा ने हैम्पशायर के लिए जड़ा शतक

एजेंस

नई दिल्ली। काउंटी चैंपियनशिप डिविजन वन में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन मिला जुला रहा। खासकर तिलक वर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शानदार शतक लगाया । भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने हैम्पशायर की ओर से खेलते हुए नॉटिंघमशायर के खिलाफ शानदार शतक जड़ा। बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रन बनाए। उनका यह शतक हैम्पशायर को नॉटिंघमशायर के पहली पारी के 578/8 डिक्लेयर के स्कोर की ओर ले जाने में अहम साबित हुआ। वहीं, बाएं हाथ के स्पिनर आर. साई किशोर, जो सरे की ओर से खेल रहे हैं, ने यॉर्कशायर के खिलाफ एक और विकेट हासिल कर अपनी पारी पूरी की। उन्होंने 119 रन देकर 2 विकेट झटके।

खलील अहमद, जो एसेक्स की ओर से खेल रहे हैं, ने ससेक्स के खिलाफ एक विकेट झटका और पारी में कोई विकेट नहीं लिया और दूसरी पारी में गोल्डन डक (पहली गेंद पर आउट) होकर पवेलियन लौट गए। भारतीय खिलाड़ियों का

उनकी टीम जीत के करीब पहुंच गई है। इस बीच, युजवेंद्र चहल का नॉर्थैम्पटनशायर की ओर से खेलते हुए मिडलसेक्स के खिलाफ मैच बेहद खराब रहा। चहल ने पहली यह प्रदर्शन दिखाता है कि वे इंग्लैंड की काउंटी क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं, हालांकि कुछ के लिए यह चुनौतीपूर्ण भी साबित हो रही है।

इंडिया-ए महिला टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अपडेटेड स्क्वाड जारी, श्रेयांका पाटिल और प्रिया मिश्रा बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-ए महिला टीम के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में कुछ अहम बदलाव किए गए हैं। बीसीसीआई ने जानकारी दी है कि ऑलराउंडर श्रेयांका पाटिल और स्पिनर प्रिया मिश्रा को फिटनेस कारणों के चलते दौरे से बाहर कर दिया गया है। इससे पहले 10 जुलाई को जारी प्रेस रिलीज में ही दोनों की भागीदारी को फिटनेस क्लीयरेंस के अधीन बताया गया था। दोनों खिलाड़ी फिलहाल बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बोर्ड की मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और रिटर्न-टू-प्ले प्रोटोकॉल से गुजर रही हैं। भारत ए महिला टीम ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ एक मल्टी-फॉर्मेट सीरीज़ खेलेगी, जिसमें तीन टी20, तीन वनडे और एक चार दिवसीय रेड-बॉल मुकाबला शामिल है।

टीम में बदलाव और नए शामिल खिलाड़ी

टीम में बदलाव के तौर पर धारा गुजर को मौका मिला है, जो पहले से

ही एकदिवसीय और मल्टी-डे स्क्वाड का हिस्सा थीं, अब तीनों फॉर्मेट में खेलेंगी। इसके अलावा, प्रेमा रावत टी20 टीम में थीं, अब सभी प्रारूपों में चुनी गई हैं। जबकि अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को वनडे टीम में शामिल किया गया है।

इंडिया-ए महिला टीम का अपडेटेड स्क्वाड-

टी20 टीम

कप्तानः राधा यादव 7 उप-कप्तानः मिन्नू मणि

शफाली वर्मा, डी. वृंदा, सजना सजीवन, उमा छेत्री (विकेटकीपर), राघवी बिस्ट, प्रेमा रावत, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, सायमा ठाकोर, टिटास साधु, धारा गुजर।

वनडे टीम

कप्तानः राधा यादव 7 उप-कप्तानः मिन्नू मणि

शफाली वर्मा, तेजल हासबनीस, राघवी बिस्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गुजर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, सायमा ठाकोर, टिटास साधु, प्रेमा रावत, यास्तिका भाटिया।

मल्टी-डे (चार दिवसीय टेस्ट) टीम

कप्तानः राधा यादव 7 उप-कप्तानः मिन्नू मणि

शफाली वर्मा, तेजल हासबनीस, राघवी बिस्ट, तनुश्री सरकार, उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), धारा गुजर, जोशिता वी.जे., शबनम शकील, सायमा ठाकोर, टिटास साधु, प्रेमा रावत।

नोएडा कबड्डी लीग नवंबर 2025 में होगी शुरू, 8 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा,। जमीनी स्तर पर कबड्डी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 100 स्पोर्ट्स ने नोएडा कबड्डी लीग (एनकेएल) की घोषणा की। पहली बार किसी जिले में फ्रेंचाइज़ी फॉर्मेट में कबड्डी लीग का आयोजन किया जा रहा है, जो नोएडा और उत्तर प्रदेश के युवाओं को एक अनोखा मंच प्रदान करेगा।यह लीग जिला गौतम बुद्ध नगर कबड्डी संघ के मार्गदर्शन में आयोजित की जा रही है और इसका आयोजन 15 नवंबर से 25 नवंबर तक ग्रेटर नोएडा स्टेडियम में किया जाएगा। टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें भाग लेंगी और 31 रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। आयोजित आधिकारिक लॉन्च इवेंट में जिला गौतम बुद्ध नगर कबड्डी संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र नगर और लीग डायरेक्टर्स मुकेश भाटी, मनीष भाटी एवं दीपक भाटी उपस्थित रहे। नोएडा कबड्डी लीग के शुभारंभ के मौके पर जितेन्द्र नगर ने कहा, नोएडा कबड्डी लीग जमीनी प्रतिभाओं को निखारने और कबड्डी को एक पेशेवर मंच देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा उद्देश्य है कि स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले। लीग के पहले संस्करण में जिले के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करती 8 दमदार टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें शामिल हैं- रॉयल रबूपुरा, जेवर जानबाज़, कसाना किंग्स, ग्रेटर नोएडा महाराजा, बिशरख बाहुबली, नोएडा किंगडम, डंकौर द्रोण, और दादरी दबंग। इस लीग का प्रबंधन 100 स्पोर्ट्स द्वारा किया जाएगा। 100 स्पोर्ट्स के संस्थापक रविंद्र भाटी भी लॉन्च इवेंट में मौजूद रहे।नोएडा कबड्डी लीग का सीधा प्रसारण 50 से अधिक देशों में किया जाएगा और इसे भारत व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय टेलीविजन और प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

मोहन बागान ने पंजाब एफसी से अभिषेक टेकचाम को 2029 तक किया अनुबंधित

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग की टीम मोहन बागान ने आगामी सत्र के लिए पंजाब एफसी से भारतीय अभिषेक सिंह टेकचाम के साथ चार साल का अनुबंध किया है। क्लब में शामिल होने के बाद अभिषेक ने कहा, मुझे देश के कई बड़े क्लबों से प्रस्ताव मिले, लेकिन मैंने मोहन बागान सुपर जायंट को इसलिए चुना, क्योंकि यह देश का नंबर 1 क्लब है। मैं भी क्लब की जर्सी में खिताब जीतने का सपना देखता हूँ। अभिषेक ने आगे कहा, पंजाब के लिए खेलते हुए मैंने आई-लीग जीता, लेकिन देश की प्रमुख प्रतियोगिताएँ - आईएसएल और शील्ड - अभी तक नहीं जीती हैं। मुझे उम्मीद है कि मोहन बागान के

लिए खेलकर मैं अपना यह सपना पूरा कर पाऊँगा। भारतीय फ़ुटबॉल के कई शीर्ष सितारे यहाँ मौजूद हैं। उनके साथ प्रशिक्षण और खेलने से मुझे फ़ायदा होगा। हालाँकि मैं भारत के लिए खेल चुका हूँ, मेरा लक्ष्य एएफसी चैंपियनशिप में खेलना है। यही एक सपना है जिसे मैं पूरा करना चाहता हूँ। शील्ड और कप दोनों जीतने वाले मोहन बागान ने इस गर्मी में आशिक कुरुनियान को टीम से अलग कर दिया, जिससे लेफ्ट विंग-बैक के रूप में एक जगह बन गई। अभिषेक इस भूमिका में आ सकते हैं। वह राइट फ्लैंक पर भी खेलने में सक्षम हैं, जहाँ वह आशीष राय को चुनौती दे सकते हैं। इस युवा खिलाड़ी ने 2024-25 के आईएसएल सीज़न में पंजाब एफसी के लिए 22 मैच खेले, मुख्यतः फुल-बैक के रूप में। उन्होंने आठ मौके बनाए और अपनी ऊर्जावान फ़्लैंकिंग और मज़बूत रक्षात्मक रणनीति के लिए उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 86 मुक़ाबलों और आठ हवाई मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें कोच मनोलो मार्केज़ के नेतृत्व में भारत की सीनियर टीम में शामिल किया गया। अभिषेक ने मार्च में मालदीव के खिलाफ़ राष्ट्रीय टीम में पदार्पण किया और 3-0 की जीत और क्लीन शीट में योगदान दिया। जून के अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने भारत के दोनों मैचों में शुरुआत की।

आर्सेनल ने वेलेंसिया के डिफेंडर क्रिस्थियन मोस्क्वेरा के साथ किया करार

एजेंसी

लंदन। प्रीमियर लीग क्लब आर्सेनल ने स्पेनिश क्लब वेलेंसिया के डिफेंडर क्रिस्थियन मोस्क्वेरा के साथ करार की घोषणा की। स्पेन की अंडर-21 टीम के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को लगभग 13 मिलियन पाउंड (प्रदर्शन आधारित ऐड-ऑन सहित) की शुरुआती फीस पर साइन किया गया है। उन्होंने पांच साल का अनुबंध किया है, जिसमें एक साल का अतिरिक्त विकल्प शामिल है। इस डील के साथ आर्सेनल का इस समर ट्रांसफर विंडो में खर्च लगभग 140 मिलियन पाउंड (करीब 189 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया है। 21 वर्षीय मोस्क्वेरा, जो हाल ही में आर्सेनल के पांचवें साइनिंग बने हैं, टीम के प्रमुख डिफेंडरों विलियम सलीबा और गैब्रियल को कवर देंगे। हालांकि, वह डिफेंस की किसी भी पोजीशन

पर खेलने में सक्षम हैं। पिछले सीजन में मोस्क्वेरा ने वेलेंसिया के लिए 41 मुकाबले खेले थे। उन्होंने अब आर्सेनल की सिंगापुर और हांगकांग की प्री-सीजन टूर के लिए टीम को जॉइन कर लिया है। गौरतलब है कि आर्सेनल प्रीमियर लीग में लगातार तीन बार उपविजेता रहा है और वह अपना 2025/26 सीजन का पहला मुकाबला 17 अगस्त को मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाफ खेलेगा। इस बीच, क्लब स्पोर्टिंग लिस्बन के स्ट्राइकर विक्टर ग्योकरेस को साइन करने की भी उम्मीद कर रहा है।

भारत का इंग्लैंड दौरा 2026 : जुलाई में खेली जाएंगी टी20 और एकदिनी सीरीज़

नई दिल्ली। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2026 के लिए पुरुष और महिला टीमों के कार्यक्रम की घोषणा की। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें 2026 में इंग्लैंड का दौरा करेंगी। इस दौरान पुरुष टीम पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन

वनडे मैच खेलेगी, जबकि महिला टीम तीन टी20 और एक टेस्ट मैच खेलेगी। पुरुष टीम के टी20 आई सीरीज़ की शुरुआत 1 जुलाई को डरहम में होगी, जबकि वनडे सीरीज़ 14 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगी। महिला टीम का एकमात्र टेस्ट मैच 10 जुलाई को प्रतिष्ठित लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा। गौरतलब है कि भारतीय पुरुष टीम ने आखिरी बार जुलाई 2022 में इंग्लैंड का सफेद गेंद दौरा किया था, जहां उसने टी20 और एकदिनी दोनों सीरीज़ 2-1 से अपने नाम की थी।

भारत बनाम इंग्लैंड पुरुष टीम का कार्यक्रम (2026)

1 जुलाईः पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय - बैंक्स होम्स रिवरसाइड, डरहम - रात 11:00 बजे IST

4 जुलाईः दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय - एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर - शाम 7:00 बजे IST

7 जुलाईः तीसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय - ट्रेंट ब्रिज, नॉटिंघम - रात 11:00 बजे IST

इंग्लैंड की मजबूत शुरुआत, भारत की पहली पारी 358 रन पर सिमटी

एजेंसी

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मेजबान टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर 225 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड अब भी पहली पारी में भारत से 133 रन पीछे है। स्टंप्स के समय जो रूट 11 रन और ऑली पोप 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

भारत की पहली पारी 358 पर समाप्त

भारत ने दिन की शुरुआत 264/4 से की, लेकिन जल्द ही रवींद्र जडेजा (20) आउट हो गए। इसके बाद वाशिंगटन सुंदर और शार्दुल ठाकुर ने 48 रन की अहम साझेदारी की। ठाकुर ने तेज खेल दिखाया, लेकिन बेन स्टोक्स की बाहर जाती गेंद पर बल्ला अड़ाने के प्रयास में 41 रन पर आउट हो गए।

सुंदर ने हालांकि धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की और 90 गेंदों में 27 रन बनाए, लेकिन वह भी लंबे समय तक टिक नहीं सके। टेस्ट पदार्पण अंशुल कंबोज खाता खोले बिना

आउट हो गए। भारत ने आखिरी चार विकेट सिर्फ 21 रन के भीतर गंवाए और पहली पारी 358 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान बेन स्टोक्स ने 5 विकेट झटके। जबकि जोफ्रा आर्चर को तीन विकेट मिले। वहीं, लियाम डावसन और क्रिस वोक्स को एक-एक सफलता मिली।

डकेट-क्रॉली की तूफानी बल्लेबाजी

जवाब में इंग्लैंड ने बैजबॉल अंदाज में जवाब दिया। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली और पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी की। डकेट जहां 94 रन बनाकर शतक से चूक गए, वहीं क्रॉली ने 84 रन की पारी खेली। क्रॉली को रवींद्र जडेजा ने और जबकि डकेट को अंशुल कंबोज ने आउट किया। कंबोज के लिए यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय विकेट था।

पंत बने वॉरियर

दूसरे दिन भी ऋषभ पंत सुर्खियों में रहे, जिन्होंने अंगूठे में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी की। उनकी जुझारू पारी ने सभी का ध्यान खींचा और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में योगदान दिया।

मुकाबले में रोमांच बरकरार

166 रनों की ओपनिंग साझेदारी के बाद भारतीय गेंदबाजों ने वापसी की और 31 रन के भीतर दो बड़े विकेट चटकाए। अब मुकाबला संतुलन में दिखाई दे रहा है। तीसरे दिन भारत की कोशिश इंग्लैंड को कम से कम स्कोर पर रोकने की होगी, ताकि दूसरी पारी में बढ़त ली जा सके।

जून में हवाई यात्रियों की संख्या 1.36 करोड़ पर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में हवाई यात्रियों की संख्या मासिक आधार पर लगातार तीसरे महीने घटती हुई इस साल जून में 136.04 लाख पर आ गयी जो अक्टूबर 2024 के बाद का निचला स्तर है। देश में मार्च 2025 में हवाई यात्रियों की संख्या 145.42 लाख रही थी। इसके बाद उम्मीद थी कि गर्मी की छुट्टियों में यह पहली बार 150 लाख के आंकड़े को पार जायेगी, लेकिन अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमला, मई में ऑपरेशन सिंदूर तथा उससे संबंधित प्रतिबंधों और जून में एयर इंडिया विमान हादसे से हवाई सफर करने वालों की संख्या लगातार घटती रही। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गुरुवार को जून के घरेलू एयरलाइंस के ट्रैफिक के आंकड़े जारी किये। इसमें बताया गया है कि जून में हवाई यात्रियों की संख्या पिछले साल जून की तुलना में 3.02 प्रतिशत बढ़कर 136.04 लाख रही। इससे पहले मई में 140.56 लाख और अप्रैल में 143.16 लाख लोगों ने हवाई सफर किये थे। इस साल जनवरी से जून तक हवाई यात्रियों की संख्या 7.34 प्रतिशत बढ़कर 851.74 लाख पर रही। साल 2024 के पहले छह महीने में यह 793.48 लाख थी। जून में देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 64.5 प्रतिशत रही। एयर इंडिया समूह की बाजार हिस्सेदारी 27.1 प्रतिशत और आकासा एयर की 5.3 प्रतिशत रही।

बिजली क्षेत्र में 10 साल में 65 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत : रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश में बिजली की मांग अगले 10 वर्षों में बढ़कर चार ट्रिलियन यूनिट पहुँच जायेगी जिसे पूरा करने के लिए इस क्षेत्र में 65 से 70 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत है। ओमनीसाइंस कैपिटल द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में साल 2035 तक 1,300 से 1,400 गीगावाट अतिरिक्त बिजली क्षमता स्थापित किये जाने की संभावना है। इसके लिए 65 से 70 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। इसमें पारेषण ग्रिडों और स्मार्ट मीटर लगाने पर करीब 15 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। ओमनीसाइंस कैपिटल के अध्यक्ष और मुख्य पोर्टफोलियो मैनेजर अश्विनी शामी ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ तेजी से बढ़ते झुकाव को देखते हुए बुनियादी ढाँचे में 65 लाख करोड़ रुपये के निवेश का बड़ा अवसर है। रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा समय में देश में बिजली उत्पादन की स्थापित क्षमता 475 गीगावाट है जिसमें 220 गीगावाट यानी 46 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा है। साल 2035 तक कुल बिजली उत्पादन क्षमता बढ़कर 1,364 गीगावाट होने की संभावना है जिसमें 971 (71 प्रतिशत) गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा होगी। ओमनीसाइंस कैपिटल का अनुमान है कि देश के ऊर्जा मिश्रण में इस बदलाव के लिए 54 लाख करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें सौर ऊर्जा पर 23 लाख करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है जिससे उसकी स्थापित क्षमता में 458 गीगावाट की वृद्धि होगी। इस प्रकार प्रति गीगावाट के लिए पाँच हजार करोड़ रुपये खर्च करने होंगे।

छह दिन की गिरावट से उबरा रुपया, 86.40 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपये में लगातार छह दिन की गिरावट का सिलसिला गुरुवार को थम गया और यह 1.25 पैसे मजबूत होकर 86.40 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा कारोबार की समाप्ति पर 86.4125 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। निजी और विदेशी बैंकों की डॉलर बिकवाली से रुपये में गुरुवार को शुरू से ही तेजी रही। यह 7.75 पैसे की मजबूती के साथ 86.3350 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सुबह के समय ही यह 86.24 रुपये प्रति डॉलर तक चढ़ गया था, लेकिन शेयर बाजार में बिकवाली के दबाव में बाद में 86.43 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया। अंत में यह 86.43 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में 0.20 प्रतिशत की मजबूती और घरेलू स्तर पर पूँजी बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली से रुपये पर दबाव था, लेकिन बैंकों के डॉलर की बिकवाली से रुपया मजबूत हुआ।

भरोसेमन्द पाम ऑयल आपूर्ति श्रृंखला के लिए भारत, इंडोनेशिया के खाद्य तेल संघों के बीच समझौता

नई दिल्ली। भारत और इंडोनेशिया के खाद्य तेल कारोबारियों के दो प्रमुख व्यापार संघों के बीच पाम ऑयल की विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला के लिए परस्पर सहयोग के बारे में गुरुवार को यहां एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ (आईवीपीए) और इंडोनेशियाई पाम ऑयल एसोसिएशन (आईपीओए) ने नई दिल्ली में खाद्य तेल उद्योग पर आयोजित एक सम्मेलन में यह करार किया। सम्मेलन का आयोजन आईवीपीए ने किया था। आईवीपीए की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह समझौता पाम ऑयल क्षेत्र में सहयोग का एक नया अध्याय शुरू करता है - जो दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण है। यह विकास, स्थिरता और खाद्य सुरक्षा पर आधारित है। इस समझौते के तहत दोनों पक्ष पर्यावरण की सुरक्षा के साथ उपज बढ़ने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी के आदान प्रदान और अनुसंधान एवं विकास कार्य में सहयोग, आयल पॉम की पारिस्थितिकी की दृष्टि से स्वस्थ बागवानी और किसानों की भागीदारी तथा उसको मान्यता दिए जाने, नीतियों और विनियमन में सुधार करेंगे।

सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की कीमत घटी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,270 रुपये से लेकर 1,380 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,960 रुपये से लेकर 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,540 रुपये से लेकर 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,17,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई

में 24 कैरेट सोना 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मोदी-स्टार्मर ने भारत और ब्रिटेन के व्यापारिक नेताओं से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर के बाद आज लंदन में भारत और ब्रिटेन के व्यापारिक नेताओं से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। बैठक में दोनों देशों के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रमुख उद्योगपति शामिल हुए। दोनों नेताओं ने उन्हें व्यापार, निवेश और नवाचार साझेदारी को मजबूत करने के लिए सीईटीए से पैदा होने वाले अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। सीईटीए के ठोस लाभों पर प्रकाश डालते हुए दोनों नेताओं ने दोनों देशों के प्रमुख उत्पादों और नवाचारों से जुड़ी प्रभावशाली प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। इन प्रदर्शनियों में रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद, गुणवत्तापूर्ण उपभोक्ता उत्पाद और उन्नत तकनीकी समाधान शामिल थे।

नितिन गुप्ता ने एनएफआरए के अध्यक्ष का पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी नितिन गुप्ता ने राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया है। गुप्ता इससे पहले जून 2022 से जून 2024 तक केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष थे। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी नितिन गुप्ता ने 23 जुलाई को राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। उनका पेशेवर अनुभव आयकर विभाग और वित्त मंत्रालय में प्रमुख पदों पर कार्यरत रहा है, जहां उन्होंने स्वचालन, फेसलेस आकलन और करदाता सेवाओं में अग्रणी पहलों का नेतृत्व किया। सीबीडीटी के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने अनुपालन, पारदर्शिता और व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और बिग डेटा

एनालिटिक्स जैसी उन्नत तकनीकों को एकीकृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व में प्रत्यक्ष कर से जीडीपी अनुपात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया और कर राजस्व में साल-दर-साल लगातार वृद्धि देखी गई, जो प्रभावी प्रशासन और बेहतर करदाता पहुंच को दर्शाता है।

केंद्र सरकार ने पूर्व वित्त सचिव अजय सेठ को आईआरडीएआई प्रमुख नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्र सरकार ने पूर्व वित्त एवं आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ को भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। अजय सेठ तीन साल तक इस पद पर रहेंगे। देबाशीष पांडा के इस्तीफा देने के बाद मार्च 2025 से यह पद रिक्त है।

सरकार की ओर से जारी एक अधिसूचना के मुताबिक मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने आईआरडीएआई के अध्यक्ष के रूप में अजय सेठ की नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए या जब तक वह 65 साल के नहीं हो जाते या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, इसकी मंजूरी दे दी है। आईआरडीएआई के नए चेयरमैन की नियुक्ति पद खाली होने के लगभग चार महीने बाद हुई है। इस साल मार्च में सरकार ने तत्कालीन आर्थिक मामलों के विभाग साल जून में आर्थिक मामलों के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

(डीईए) सचिव सेठ को राजस्व सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा था, जब तुहिन कांत पांडे सेबी के अध्यक्ष बने थे।

कर्नाटक कैडर के 1987 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अजय सेठ चार साल के कार्यकाल के बाद इस वे 2021 से वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत है। सेठ ने आर्थिक विकास, राजकोषीय प्रबंधन, बुनियादी ढाँचे के वित्तपोषण और डिजिटल भुगतान के लिए नीति-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चांदनी चौक से लेकर कोवेंट गार्डन तक भारतीय व्यापार का लहराएगा परचमः खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर का चांदनी चौक सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने ऐतिहासिक करार दिया। खंडेलवाल ने इस समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए अपनी त्वरित प्रतिक्रिया में इसे भारतीय व्यापार के लिए एक निर्णायक उपलब्धि और वैश्विक व्यापार में भारत की बढ़ती भूमिका की मजबूत नींव बताया है। खंडेलवाल ने बातचीत में कहा कि लंदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षरित यह समझौता भारत से ब्रिटेन को निर्यात होने वाले लगभग 99 फीसदी वस्तुओं को शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि समझौते में वस्त्र,

रत्न, आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और हस्तशिल्प जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं, जो भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), कारीगरों और घरेलू उत्पादकों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन साबित होगा। कैट महामंत्री ने कहा, यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं, बल्कि भारत के व्यापारियों और किसानों के लिए एक परिवर्तनकारी छलांग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारतीय उद्यम अब आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर कदम रख रहा है। खंडेलवाल ने कहा कि इस समझौते की एक विशेष बात भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को मिली व्यापक समर्थन है। इसमें मसाले, हल्दी, समुद्री उत्पाद और आम पल्प सहित 95 फीसदी से अधिक कृषि निर्यात अब ब्रिटेन के बाजार में शून्य शुल्क पर पहुंच सकेंगे। इससे भारत के कृषि निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि और ग्रामीण आय में सुधार की उम्मीद है। उन्होंने कहा, यह समझौता हर उस किसान, व्यापारी और निर्यातक के लिए नई आशा और नए बाजारों के द्वार खोलता है, जो कभी वैश्विक पहुंच को एक दूर का सपना समझते थे। खंडेलवाल ने कहा, इसके साथ ही सरकार ने दुग्ध क्षेत्र जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए अवसर और संतुलन का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। सरकार की इस दूरदर्शी रणनीति की सराहना करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि यह समझौता साहसी आर्थिक सोच और जमीनी सशक्तिकरण का बेहतरीन संगम है। सांसद खंडेलवाल ने आश्वस्त किया कि कैट भारत के व्यापारी वर्ग को इस ऐतिहासिक अवसर का लाभ उठाने के लिए हरसंभव सहयोग देगा। उन्होंने निष्कर्ष में कहा, यह केवल निर्यात या आंकड़ों की बात नहीं है।

डिजिटल आईटीआर दाखिल करने वालों की संख्या बढ़कर 9.19 करोड़ हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर दाखिल करने के लिए ई-फाइलिंग पोर्टल शुरू होने के बाद चार साल के भीतर आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वालों की संख्या में 36 फीसदी का इजाफा हुआ है। यह संख्या वित्त वर्ष 2020-21 में 6.72 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 9.19 करोड़ पर पहुंच गई है।आयकर विभाग ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय बजट 2025-26 में कर बोझ कम करने के लिए कई राहत उपायों की शुरुआत की गई। नए कर शासनादेश के तहत 12 लाख रुपये तक की आय अब कर-मुक्त है। इसके साथ ही 75 हजार रुपये की मानक कटौती के साथ 12.75 लाख रुपये तक की आय वाले वेतनभोगियों की कर देयता शून्य है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने राष्ट्रीय आयकर दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयकर देश के आर्थिक ताने-बाने की रीढ़ है, जो विकास परियोजनाओं, कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी ढांचे के निर्माण को शक्ति प्रदान करता है। इस दिन हम सभी करदाताओं के योगदान को नमन करते हैं, जिनके सहयोग से देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भारत के वित्तीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर को चिह्नित करने के लिए 24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया जाता है। इस दिन 1860 में भारत में सर जेम्स विल्सन ने आयकर पेश किया था। इसने 1922 के आयकर अधिनियम के लिए आधार तैयार किया, जिसने विभिन्न आयकर को औपचारिक रूप दिया और एक व्यवस्थित प्रशासन ढांचे के लिए नींव भी रखी। इसके अलावा भारतीय कराधान संरचना को केंद्रीय राजस्व अधिनियम (1924) के जरिये मजबूत किया गया, जिसने आयकर अधिनियम को प्रशासित करने के लिए एक वैधानिक निकाय की स्थापना की थी।

इस्पात मंत्रालय एनओसी से संबंधित मुद्दों पर ओपन हाउस में 29-30 जुलाई को करेगा चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय 29-30 जुलाई को राजधानी नई दिल्ली स्थित उद्योग भवन के स्टील रूम में एक ओपन हाउस आयोजित किया गया है। इसमें इस्पात मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस्पात मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस्पात आयात से संबंधित इस्पात आयात निगरानी प्रणाली, सिम्स, गुणवत्ता मानक के लिए जारी किए गए नियामक उपाय क्वालिटी कन्ट्रोल ऑर्डर और इस्पात उत्पादों के आयात के लिए 29-30 जुलाई को उद्योग भवन के इस्पात कक्ष में एक ओपन हाउस (खुला सत्र) का आयोजन किया गया है। इस ओपन सत्र में इस्पात मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण

पत्र (एनओसी) से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक यह ओपन हाउस सुबह 10:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। ईमेल के माध्यम से टाइम स्लॉट की सूचना दी जाएगी। प्रचालन चुनौतियों के कारण वॉक-इन्स (पूर्व निर्धारित समय के बिना आना) संभव नहीं होगा। इसमें कोई भी कंपनी या एसोसिएशन, जिनकी स्टील के आयात के लिए सिम्स, क्यूसीओ और एनओसी से संबंधित समस्याएं हैं, वे 29-30 जुलाई को निश्चित समय-स्लॉट प्राप्त करने के लिए उपरोक्त ई-मेल पर अपना अनुरोध भेज सकते हैं।

इस्पात मंत्रालय ने कहा कि उद्योग संघ अपने सदस्यों के मुद्दों के समाधान के लिए एक टाइम स्लॉट का अनुरोध कर सकते हैं। स्थान की अल्प उपलब्धता के कारण, इस्पात संघों से अधिकतम 15 प्रतिभागी भाग ले सकते हैं।

वैश्विक दबाव में लुढ़का घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, कुछ कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे और कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने के कारण घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल में कमजोरी आ गई। दिन में ज्यादातर समय बाजार पर बिकवाली का दबाव बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.66 प्रतिशत और निफ्टी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर मेटल, हेल्थ केयर और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 458.09 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.26 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,221 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,646 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,408 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 167 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,642 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 921 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,721 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

केनरा बैंक को पहली तिमाही में 4,752 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

बेंगलुरु। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक को चालू वित्त वर्ष की 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में एकल आधार पर 4,752.03 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में 21.68 प्रतिशत अधिक है। बैंक के निदेशक मंडल की हुई बैठक में मंजूर वित्तीय परिणामों के अनुसार, पहली तिमाही में उसकी कुल आय भी 32.74 फीसदी बढ़कर 7,060.48 करोड़ रुपये हो गयी। इसमें ब्याज से प्राप्त आय 22,618.32 करोड़ रुपये है। बैंक ने बताया कि तिमाही के दौरान उसकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उसका सकल एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) अनुपात 30 जून 2025 को 2.69 प्रतिशत रहा जो इस साल 31 मार्च को 2.94 प्रतिशत था। इसी अवधि में शुद्ध एनपीए अनुपात भी 0.70 प्रतिशत से सुधरकर 0.63 प्रतिशत हो गया।

पहली तिमाही में बैंक का वैश्विक कारोबार 10.98 फीसदी बढ़कर 25,63,984 करोड़ रुपये पर पहुँच गया। उसका सकल ऋण उठाव भी 12.42 फीसदी बढ़कर 10,96,329 करोड़ रुपये रहा। पहली तिमाही में बैंक की प्रति शेयर आय 21.66 प्रतिशत बढ़कर 21.01 रुपये हो गयी। तिमाही परिणामों की घोषणा के बाद केनरा बैंक के शेयर में तेज उछाल देखा गया। बीएसई में उसका शेयर 5.29 प्रतिशत ऊपर 113.50 रुपये पर बंद हुआ।

भारत-ब्रिटेन एफटीए से श्रम-प्रधान क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी: पीयूष गोयल

एजेंसी

लंदन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन के बीच बहुप्रतिक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से ब्रिटिश बाजार में चमड़ा, विद्युत, मशीनरी और रसायन जैसे कई घरेलू क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे करीब 23 अरब डॉलर के अवसर खुलेंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और भारत एवं ब्रिटेन के लोगों को ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करने पर बधाई। आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) कहे जाने वाले इस समझौते पर लंदन में प्रधानमंत्री मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष स्टार्मर की मौजूदगी में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस डील पर हस्ताक्षर किए हैं। गोयल ने कहा कि इस समझौते से करीब 99 फीसदी भारतीय निर्यात के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए करीब 23 अरब डॉलर के अवसरों को खोलता है, जो मावेशी और लैंगिक-समान विकास के एक नए युग का प्रतीक है। कपड़ा, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, खिलौने और समुद्री उत्पादों से जुड़े कई सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) में कार्यरत कारीगर, बुनकर और दिहाड़ी मजदूर समृद्धि के एक नए दौर में कदम रखेंगे। प्रधानमंत्री कार्य से लेकर तकनीकी प्रयोगशालाओं तक, यह मुक्त व्यापार समझौता महिलाओं के लिए वित्त तक बेहतर पहुंच और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में गहन एकीकरण के जरिए एक ऐतिहासिक छलांग है। उन्होंने कहा कि यह समझौता किसानों के लिए एक बड़ी जीत है, क्योंकि यह लगभग 95 फीसदी कृषि उत्पादों पर शुल्क-मुक्त निर्यात सुनिश्चित करता है, जबकि मछुआरों को 99 फीसदी समुद्री निर्यात पर शून्य शुल्क से लाभ होगा, जिससे उनकी इनकम में वृद्धि होगी। इस समझौते का इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण और प्लास्टिक जैसे विनिर्माण-प्रधान क्षेत्रों पर भी परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। यह समझौता भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुएं भी उपलब्ध कराएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की आईटी, सेवाओं और शिक्षा क्षेत्र की प्रतिभाओं को ब्रिटेन के उच्च-मूल्य वाले बाजारों तक आसान पहुंच का लाभ मिलेगा। दोहरे योगदान सम्मेलन के तहत ब्रिटेन में सामाजिक सुरक्षा अंशदान से तीन साल की छूट भारतीय कामगारों और उनके नियोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके साथ ही शेफ, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और व्यावसायिक आगंतुक लाभान्वित होंगे, जिससे वैश्विक प्रतिभा केंद्र बनने के हमारे दृष्टिकोण को बल मिलेगा। गोयल ने कहा कि इंडिया-ब्रिटेन एफटीए हमारे स्टार्टअप्स के लिए ब्रिटेन के ग्राहकों, निवेशकों और नवाचार केंद्रों के द्वार खोलेगा, जिससे उन्हें अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने में मदद मिलेगी। ये समझौता मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल दोनों के लिए फायदेमंद है, रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा, समुदायों को सशक्त बनाएगा और भारत के रणनीतिक व्यापार नेतृत्व को सुदृढ़ करेगा। यह आर्थिक सहयोग के एक नए युग की शुरुआत करता है और हमारे द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को पुनर्जीवित करता है। उल्लेखनीय है कि भारत और ब्रिटेन के बीच इस समझौते से दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को लाभ होगा क्योंकि कई वस्तुओं पर शुल्क कम कर दिए जाएंगे। मई 2025 में इस समझौते पर दोनों देश के बीच में सहमति बनी थी। प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर की उपस्थिति में भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड्स ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए।

बांग्लादेश में 'भ्रष्टाचार की नींव' पर तैयार पुल प्रशासन ने ढहाया

एजेंसी

ढाका। दक्षिण-पश्चिमी बांग्लादेश के बारिसल डिवीजन के पिरोजपुर जिला में एक पुल के निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग होने पर ढहा दिया गया। मदरा बाजार रोड पर ठेकेदार के माध्यम से इस पुल को तैयार कराया गया था। ठेकेदार को इसके लिए 5.73 करोड़ टका का भुगतान किया गया। ठेकेदार ने यह काम किसी दूसरे को सौंप दिया था। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, स्थानीय निकाय अभियांत्रिकी विभाग (एलजीईडी) से लोगों ने शिकायत की थी कि जलाबाड़ी यूनियन के मदरा बाजार रोड पर स्थित यह पुल कभी भी गिर सकता है। इसके निर्माण में घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। विभाग को जांच में बड़ी खामियां मिलीं। इसके बाद पुल को गिरा दिया गया। इस घटना के बाद बांग्लादेश में सरकारी निर्माण परियोजनाओं विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी और जवाबदेही को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है। स्थानीय नागरिकों के गुस्से को देखते हुए एलजीईडी को इस संरचना को गिराने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस पुल का ठेका 29 दिसंबर, 2021 को पिरोजपुर एलजीईडी ने एक ठेकेदार फर्म को दिया था। इसका अनुबंध मूल्य 5.73 करोड़ टका था। अनुबंध के अनुसार, इसका निर्माण 28 दिसंबर, 2022 तक पूरा होना था। मुख्य ठेकेदार ने यह काम दूसरे ठेकेदार को सौंप दिया। उसने निर्माण मानकों का पालन नहीं किया और परियोजना समय-सीमा का उल्लंघन भी किया।

गाजा संघर्ष के बीच मैक्रो की बड़ी घोषणा, फिलिस्तीन को फ्रांस स्वतंत्र देश की मान्यता देगा

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि उनका देश फिलिस्तीन को इसी साल सितंबर में आधिकारिक तौर पर मान्यता देगा।उन्होंने कहा कि सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में वे इसकी औपचारिक घोषणा करेंगे। फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से 140 से ज्यादा देशों की ओर से मान्यता प्राप्त है। गाजा में इजरायल की सैन्य कार्रवाई के बीच फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा कि इस समय सबसे जरूरी है कि गाजा में जारी युद्ध तत्काल खत्म हो और नागरिकों की जान बचाई जा सके। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मध्य पूर्व में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रति ऐतिहासिक प्रतिबद्धता के तहत मैंने फैसला लिया है कि फ्रांस, फिलिस्तीन को राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। हमें हमास को हथियार मुक्त कर गाजा को सुरक्षित बनाना और उसका पुनर्निर्माण करना होगा। उन्होंने लिखा है कि तत्काल युद्धविराम, सभी बंधकों की रिहाई और गाजा में व्यापक स्तर पर मानवीय की जरूरत है। खास बात यह है कि मैक्रो इससे पहले इजरायल के रुख के समर्थक थे। 7 अक्टूबर 2023 को जब हमास के आतंकियों ने इजरायल पर हमला किया था, तब राष्ट्रपति मैक्रों ने इजरायल का समर्थन किया। हालांकि हाल के महीनों में गाजा में इजरायल की व्यापक सैन्य कार्रवाई में आम लोगों के निशाना बनने और वहां खाद्यान्न संकट को लेकर मैक्रों चिंतित हैं।

ओली सरकार को झटका, राष्ट्रपति का सवैधानिक परिषद विधेयक पर हस्ताक्षर करने से इनकार

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार को आज उस समय तगड़ा झटका लगा जब राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने संवैधानिक परिषद (कर्तव्य, कार्य, अधिकार और प्रक्रिया) अधिनियम 2006 से संबंधित संशोधन विधेयक को पुनर्विचार के लिए प्रतिनिधि सभा को वापस कर दिया है। राष्ट्रपति के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल के अनुसार, विधेयक को आगे की समीक्षा के लिए वापस भेज दिया गया था। पोखरेल ने कहा कि राष्ट्रपति ने विधेयक को मूल सदन को यह कहते हुए वापस कर दिया कि प्रस्तावित संशोधन संविधान की भावना और सिद्धांतों, लोकतांत्रिक मानदंडों और मूल्यों तथा अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक प्रथाओं के विपरीत है। राष्ट्रपति की तरफ से यह कदम संविधान के अनुच्छेद 113 (3) के तहत उठाया गया है। प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा द्वारा पारित संशोधन विधेयक 15 जुलाई को प्रमाणीकरण के लिए राष्ट्रपति कार्यालय पहुंचा था।एक सप्ताह की लंबी समीक्षा के बाद, राष्ट्रपति पौडेल ने इस पर हस्ताक्षर नहीं करने का विकल्प चुना और इसे संसद के निचले सदन को वापस कर दिया।

जेरेमी कॉर्बिन ने बनाई नई राजनीतिक पार्टी, समाज को बांटने वाले 'रिफॉर्म यूके' का बताया बेहतर विकल्प

लंदन। पूर्व लेबर नेता जेरेमी कॉर्बिन ने जारा सुल्ताना के साथ मिलकर एक नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हमारी यह पार्टी अमीरों और ताकतवरों से मुकाबला करने का काम करेगी। जेरेमी कॉर्बिन ने अपनी नई पार्टी के लॉन्च के मौके पर कहा कि वो एक ऐसा लोकतांत्रिक आंदोलन बनाने को संकल्परत हैं, जो अमीरों और ताकतवरों से मुकाबला कर सके और जीत हासिल कर सके। इस दौरान रिफॉर्म यूके पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी पार्टी खतरनाक रूप से विभाजनकारी राजनीति का एक समावेशी और एकजुट करने वाला विकल्प पेश कर रही है। रिफॉर्म यूके के मुकाबले अपनी पार्टी की भूमिका पर कॉर्बिन ने कहा, रिफॉर्म सिर्फ समाज की समस्याओं का दोष सबसे कमजोर अल्पसंख्यकों पर डालते हैं। वे समाज को बांटने वाली एक खतरनाक ताकत हैं।कॉर्बिन ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी का मकसद लोगों को विभाजित करना नहीं, बल्कि गरीबी, खराब आवास और शिक्षा में फंड की कमी जैसी वास्तविक समस्याओं से सामूहिक रूप से निपटना है।

पाकिस्तान में बारिश से आठ और मौतें, अब तक कुल 266 लोगों की जान गई

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जारी भारी मानसूनी बारिशों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 24 घंटों में देशभर में आठ और लोगों की मौत हो गई, जिससे अब तक की कुल मौतों की संख्या 266 हो गई है। यह जानकारी पाकिस्तान की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की ताजा रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, हालिया आठ मौतों में से तीन खैबर पख्तूनख्वा में हुईं, जहां पांच लोग घायल भी हुए हैं। वहीं, इस्लामाबाद और पाकिस्तान अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में दो-दो मौतें हुईं, जबकि सिंध में एक व्यक्ति की जान गई। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून सीजन की शुरुआत जून के अंत में हुई थी, तब से अब तक देशभर में 94 पुरुष, 46 महिलाएं और 126 बच्चों सहित कुल 266 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं,

628 लोग बारिश और उससे संबंधित हादसों में घायल हुए हैं। पंजाब प्रांत इस समय सबसे अधिक प्रभावित है, जहां सबसे ज्यादा 144 मौतें और 488 घायल दर्ज किए गए हैं। हाल ही में रावलपिंडी में आई बाढ़ के बाद जिला प्रशासन ने शहर के 19 शहरी इलाकों को संभावित फ्लैश फ्लड (अचानक बाढ़) के लिहाज से अति संवेदनशील घोषित किया है। डिप्टी कमिश्नर हसन वकार चीमा ने संबंधित क्षेत्रों में सहायक आयुक्तों, तहसीलदारों और विभागीय अधिकारियों को निगरानी अधिकारी नियुक्त किया है। नए खतरे वाले क्षेत्रों में न्यू कतारियां, लाई ब्रिज, बंगश कॉलोनी, जियाउल हक कॉलोनी, बोरिंग रोड, पीरवधाई ब्रिज, ढोक नाजू, ढोक दलाल, ढोक हसू ब्रिज, हजारा कॉलोनी, ढोक रत्ता, ग्वालमंडी, ढोक इलाही बख्श, सादिकाबाद, जावेद कॉलोनी, नदीम कॉलोनी, ताहली मोहरी, जान कॉलोनी, टेंच भट्टा लास्ट स्टॉप, बनारस कॉलोनी और शेरॉन कॉलोनी (सावन कैंप) शामिल हैं। रावलपिंडी के नदीम कॉलोनी, जावेद कॉलोनी और ढोक इलाही बख्श के कई निवासियों ने स्थिति पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि पिछले 50 वर्षों से उनका इलाका लगातार बाढ़ की चपेट में आता रहा है, लेकिन हर बार सरकारी उपेक्षा ही देखने को मिलती है।

अमेरिकी कालेज गेम्स में लागू होंगे संघीय नियम, राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य अमेरिका के सभी कालेजों के गेम्स (खेलों) में नाम, छवि और समानता से संबंधित संघीय नियम लागू करना है। राष्ट्रपति ने यह कदम इस चिंता के बाद उठाया कि अनियंत्रित खर्च और राज्यों के नाम, छवि और समानता कानूनों ने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बाधित किया है। व्हाइट हाउस ने यह ब्यौरा भेजे आधिकारिक ई-मेल में उपलब्ध कराया है।

व्हाइट हाउस के विवरण में कहा गया है कि राष्ट्रपति का यह कार्यकारी आदेश छात्रवृत्ति, महिला और गैर-राजस्व खेलों की रक्षा करेगा। यह आदेश कालेज एथलीटों को तीसरे पक्ष के भुगतान पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाता है, जबकि ब्रांडिंग के लिए विज्ञापनों की अनुमति देता है। राष्ट्रपति का मानना है कि एथलीटों की भर्ती के लिए प्रोत्साहन भुगतान प्रतिस्पर्धा के संतुलन के लिए खतरा पैदा करते हैं। इससे छोटे खेलों के सामने संकट खड़ा हो जाता है। इस आदेश के अनुसार, 2024-25 सीजन के दौरान 125 मिलियन डॉलर या उससे अधिक राजस्व वाले एथलेटिक विभागों को महिलाओं और गैर-राजस्व खेलों में छात्रवृत्ति और रोस्टर स्थानों का विस्तार करना होगा। 50 मिलियन डॉलर से 125 मिलियन डॉलर के बीच आय वाले विभागों को यथास्थिति बनाए रखनी होगी। 50 मिलियन डॉलर से कम आय वाले विभागों को गैर-राजस्व खेलों के अवसरों में कटौती नहीं करनी होगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि कालेज खेलों का देश में विशिष्ट स्थान है। यह खिलाड़ी स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी पर्याप्त सहायता प्रदान करते हैं। साथ ही कई समुदायों में पारिवारिक गतिविधियों, मनोरंजन और संस्कृति का अमिट हिस्सा बनते हैं।

तेहरान और यूरोपीय देशों के बीच वार्ता शुरू, ईरान ने कहा- हमारा रुख स्पष्ट

एजेंसी

इस्तांबुल। ईरान और यूरोप के तीन प्रमुख देशों फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी के बीच इस्तांबुल स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास में बातचीत शुरू हुई। इन तीनों देशों को ई-3 समूह कहा जाता है।

बता दें कि यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब जून में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए हमलों के बाद दोनों पक्ष पहली बार आमने-सामने चर्चा कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह ईरानी प्रतिनिधिमंडल और ई-3 देशों के वरिष्ठ राजनयिक इस्तांबुल पहुंचे। इस वार्ता का उद्देश्य यह जानना है कि क्या तेहरान पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के लिए किसी समझौते के लिए तैयार है।बातचीत शुरू होने से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने स्पष्ट किया कि ईरान की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा, हम यूरेनियम संवर्धन जारी रखेंगे; यह ईरानी जनता का अधिकार है और हम

इससे पीछे नहीं हटेंगे।' अराकची ने आगे कहा, 'आज की बातचीत पिछले संवादों का ही हिस्सा है और दुनिया को यह समझ लेना चाहिए कि हमारा रुख स्पष्ट और अडिग है। बता दें कि बीते महीने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के कुछ परमाणु ठिकानों पर हमले किए गए थे, जिसके बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। अब इस बातचीत को परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते गतिरोध को सुलझाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इजरायल और ईरान के बीच कई दिनों तक हमलों का दौर जारी रहा था, जिससे दोनों देशों के इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी नुकसान भी पहुंचा था। इसके साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चेतावनी दे चुके हैं कि अगर ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को फिर से आगे बढ़ाया, तो अमेरिका ज्यादा कुछ सोचे बिना ईरान पर फिर से बमबारी करेगा। इजरायल-ईरान युद्ध से पहले तेहरान और वाशिंगटन के बीच ओमान की मध्यस्थता में पांच दौर की परमाणु वार्ता हुई थी। इस दौरान ईरान में यूरेनियम एनरिचमेंट जैसे मोर्चे पर असहमति बनी रही।

गाजा पर दोहा वार्ता संकट में, अमेरिका और इजराइल ने अधिकारियों को वापस बुलाय

एजेंसी

दोहा/ कैनबरा/वाशिंगटन। गाजा पट्टी में युद्धविराम पर कतर की राजधानी दोहा में चल रही वार्ता बिना किसी परिणाम के बीच में खत्म हो गई। संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल ने दोहा से अपनी वार्ता टीम को वापस बुला लिया है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि हमास प्रतिक्रिया से वह निराश हैं।

सीएनएन की खबर के अनुसार, विटकॉफ ने कहा कि अमेरिका अब बंधकों को वापस लाने के वैकल्पिक विकल्पों पर विचार करेगा। साथ ही गाजा के लोगों के लिए स्थिर वातावरण तैयार करने का प्रयास करेगा। हमास के साथ संभावित अस्थायी युद्धविराम के बारे में परामर्श के लिए इटली पहुंचे विटकॉफ ने कहा कि मध्यस्थों ने बहुतेरे प्रयास किए, लेकिन हमास का रवैया समन्वय या सद्भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि बावजूद इसके हम संघर्ष को समाप्त करने और गाजा में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए दृढ़ हैं। हमास के हठधर्मी रवैया की वजह से इजराइल ने भी कतर की राजधानी से अपनी वार्ता टीम को भी वापस बुला लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने इजराइल को मानवीयता की दुहाई दी

इस बीच, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को इजराइल से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने और गाजा में खाद्य सामग्री पहुंचाने की अनुमति देने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि गाजा मानवीय आपदा की चपेट में है। इसलिए इजराइल संयुक्त राष्ट्र और गैरसरकारी संगठनों को बिना किसी बाधा के काम करने की अनुमति दे। फिलिस्तीनी आबादी के जबरन विस्थापन को रोका जाए। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को इजराइल का समर्थन करने पर गर्व है, लेकिन गाजा के लोगों की स्थिति को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी के बाद इजराइल ने कहा कि गाजा में खाद्यान की कमी नहीं है। हमास पर खाद्यान्न की कमी का भ्रम फैला रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने अपनी टिप्पणी में आतंकवादी समूह हमास की क्रूरता की निंदा करते हुए शेष बंधकों को रिहा करने की मांग दोहराई। अमेरिका के विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने की फ़्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की घोषणा को कड़ाई से खारिज करता है। रुबियो ने एक्स पर लिखा, यह लापरवाही भरा फैसला हमास के दुष्प्रचार को बढ़ावा देता है और शांति को बाधित करता है।

व्लादिमीर पुतिन ने की उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति से फोन पर बात, रणनीतिक साझेदारी पर हुई चर्चा

एजेंसी

ताशकंद । उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर बात की। उज्बेक राष्ट्रपति की प्रेस सेवा ने जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। उज्बेक राष्ट्रपति के प्रेस सेवा ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मिर्जियोयेव को उनके जन्मदिन पर बधाई दी और उनकी अच्छी सेहत, समृद्धि और कार्य में सफलता की कामना की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने उज्बेक-रूसी व्यापक रणनीतिक साझेदारी और गठबंधन को विकसित करने व मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें उच्चतम स्तर पर हुए समझौतों को लागू करने पर ध्यान दिया गया। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने उज्बेक-रूसी रणनीतिक साझेदारी और सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान की सक्रियता पर भी संतुष्टि जताई।

गठबंधन को मजबूत करने, आपसी व्यापार को बढ़ाने, उद्योग, ऊर्जा, कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग परियोजनाओं को बढ़ावा देने और दोनों देशों के क्षेत्रों के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने दोनों देशों के बीच

उज्बेक राष्ट्रपति की प्रेस सेवा ने एक बयान में कहा कि इससे पहले 8 जुलाई को मिर्जियोयेव और पुतिन ने व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए एक और फोन कॉल पर चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत उज्बेक-रूसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।उन्होंने उच्चतम स्तर के समझौतों, खासकर व्यापार और आर्थिक क्षेत्र में, उनके व्यावहारिक कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान दिया। बयान में कहा गया है कि नेताओं ने व्यापारिक आदान-प्रदान बढ़ाने, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में औद्योगिक सहयोग परियोजनाओं को बढ़ावा देने, क्षेत्रीय स्तर पर अधिक प्रभावी संपर्क स्थापित करने, और सांस्कृतिक, मानवीय व शैक्षिक आदान-प्रदान को बढ़ाने के लिए समन्वय और अंतर-विभागीय सहयोग को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय एजेंडों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और आगामी कार्यक्रमों के शेड्यूल की समीक्षा की।

अवैध रूप से कुवैत जा रही 47 नेपाली महिलाओं को दिल्ली हवाईअड्डे से लौटाया गया

एजेंसी

काठमांडू। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 47 नेपाली महिलाओं के एक समूह को उस समय रोक दिया गया, जब वो बिना उचित अनुमति के यात्रा वीजा पर कुवैत की यात्रा करने का प्रयास कर रही थीं। इन महिलाओं के पास विदेश में नौकरी के लिए नेपाली दूतावास के नाम का फर्जी अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला, जिसके बाद उन्हें नई दिल्ली में नेपाली दूतावास के समन्वय से हिरासत में ले लिया गया। नेपाली दूतावास के उपनियोग प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र थापा

ने बताया कि सामान्य पूछताछ के बाद इन सभी महिलाओं को सड़क मार्ग से वापस नेपाल भेज दिया गया। रुपन्देही के प्रमुख जिला अधिकारी बासुदेव घिमिरे के अनुसार महिलाओं को नेपाली दूतावास से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रकाश मल्ल के नेतृत्व में गई एक टीम ने नेपाली दूतावास के अन्य कर्मचारियों के साथ सुनौली सीमा से रुपन्देही ले जाया गया। पुलिस के अनुसार आगे की जांच के लिए इन महिलाओं को काठमांडू ले जाया जा रहा है। गृह मंत्री रमेश लेखक ने पुलिस को मामले की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। उन्होंने मानव तस्करी रोधी ब्यूरो को घटना की जांच करने और जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाने का निर्देश दिया है।

यूक्रेन में राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो और विशेष भ्रष्टाचार निरोधक अभियोजक कार्यालय की शक्तियों में कटौती

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने कहा कि अंतरिम सरकार हमेशा भारत के साथ आपसी सम्मान और समानता के आधार पर अच्छे संबंध चाहती है। मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यह बात तब कही, जब उनसे पूछा गया कि क्या वे भारत की मेडिकल टीम के बांग्लादेश में आने को दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों का सकारात्मक संकेत मानते हैं? बांग्लादेश के ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, हम शुरू से ही यही चाहते थे। हमने हमेशा कहा है कि हम भारत के साथ अच्छे कामकाजी रिश्ते चाहते हैं। हमारा रुख वही है। अंतरिम सरकार में किसी ने भी कभी यह नहीं कहा कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध नहीं चाहते। दरअसल, भारत से विशेषज्ञ डॉक्टरों और नर्सों की एक टीम

बुधवार रात ही ढाका पहुंची थी, जो विमान हादसे में घायल लोगों का इलाज कर रही है। यह टीम दिल्ली के राम मनोहर लोहिया और सफदरजंग अस्पतालों से आई है, जिसमें बर्न और प्लास्टिक सर्जरी के विशेषज्ञ शामिल हैं। इस टीम ने गुरुवार सुबह से मरीजों का इलाज शुरू कर दिया है। भारतीय डॉक्टरों की यह टीम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद ढाका पहुंची है। पीएम मोदी ने विमान हादसे के बाद बांग्लादेश को हर संभव मदद का वादा किया था। टीम में शामिल डॉक्टर मरीजों की स्थिति का आकलन कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर भारत में विशेष इलाज की सलाह देंगे। अगर जरूरत हुई तो और मेडिकल टीमें भी आ सकती हैं।

बता दें कि 21 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी ने ढाका में हुए विमान हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया था। इससे पहले, भारतीय उच्चायोग ने बांग्लादेश सरकार को पत्र लिखकर पूछा था कि घायलों के लिए भारत में कोई विशेष चिकित्सा सहायता की जरूरत है या नहीं। उच्चायोग ने मंगलवार को कहा कि वे हर जरूरी सहायता प्रदान करेंगे। पीएम मोदी ने कहा था, भारत बांग्लादेश के साथ एकजुटता में खड़ा है और हरसंभव सहायता के लिए तैयार है।

सीबीएस न्यूज पर होगा स्काईडांस का नियंत्रण, पैरामाउंट का होगा विलय

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के प्रमुख इलेक्ट्रानिक मीडिया सीबीएस न्यूज पर बहुत जल्द हॉलीवुड स्टूडियो स्काईडांस का नियंत्रण होगा। अमेरिकी संघीय संचार आयोग (एफसीसी) ने स्काईडांस को सीबीएस न्यूज का संचालन करने वाली कंपनी पैरामाउंट के साथ विलय को मंजूरी प्रदान कर दी। एफसीसी के अध्यक्ष ब्रेंडन कैर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि स्काईडांस से यह आश्वासन मिलने के बाद इस सौदे को मंजूरी दी गयी है कि नई कंपनी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए प्रतिबद्ध होगी।द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, एफसीसी के अध्यक्ष कार ने बयान में कहा, अमेरिकी अब पारंपरिक राष्ट्रीय समाचार मीडिया पर पूरी तरह, सटीक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग करने का भरोसा नहीं करते। अब बदलाव का समय आ गया है। इसलिए मैं कभी चर्चित रहे सीबीएस प्रसारण नेटवर्क में महत्वपूर्ण बदलाव करने की स्काईडांस की प्रतिबद्धता का स्वागत करता हूं। बताया गया है कि यह 8 अरब डॉलर का सौदा है। यह पैरामाउंट के लिए नई शुरुआत का संकेत है। पैरामाउंट पर दशकों से रेडस्टोन परिवार का नियंत्रण रहा है। टेक अरबपति लैरी एलिसन के बेटे डेविड एलिसन की योजना सौदा पूरा होने पर पैरामाउंट कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की है। हाल के हफ्तों में पैरामाउंट कंपनी ट्रंप प्रशासन के साथ अपने तनावपूर्ण संबंधों के कारण उथल-पुथल में घिरी रही है। कंपनी ने राष्ट्रपति ट्रंप से मुकदमे का निपटारा करने के लिए इसी महीने 1.6 करोड़ डॉलर का भुगतान किया। सीबीएस के लेट नाइट होस्ट स्टीफन कोलबर्ट ने कहा कि यह समझौता असल में ट्रंप प्रशासन से सौदे की मंजूरी पाने के लिए एक रिश्वत थी। एफसीसी की डेमोक्रेटिक कमिश्नर एना एम. गोमेज ने इस मंजूरी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि एफसीसी ने पैरामाउंट पर एक निजी कानूनी समझौता कराने के लिए अपनी शक्ति का इस्तेमाल किया है। इससे प्रेस की स्वतंत्रता पर आंच पहुंची है। चिंताजनक बात यह है कि अब एफसीसी न्यूजरूम के फैसलों और संपादकीय निर्णयों पर अभूतपूर्व नियंत्रण लागू कर रही है। फिलहाल पैरामाउंट और स्काईडांस के प्रवक्ता ने इस मंजूरी पर कोई टिप्पणी नहीं की।

भारत-ब्रिटेन सीईटीए, विश्व व्यापार में दुनिया के लिए मिसाल : मिस्री

एजेंसी

लंदन। भारत ने ब्रिटेन के साथ समग्र आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीटा) पर हस्ताक्षर को विश्व व्यापार के समग्र वैश्विक परिवेश में एक मिसाल और अन्य देशों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन की यात्रा के परिणामों की जानकारी देने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यह बात कही। ब्रीफिंग में यह पूछे जाने पर कि भारत ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता संपन्न होने के बाद अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर जारी बातचीत की क्या स्थिति है और क्या इस समझौते से अमेरिका के लिए भी कोई संदेश निकलता है, इसके उत्तर में विदेश सचिव ने कहा, अमेरिका से संबंधित चर्चाओं के संबंध में, देखिए, हम ब्रिटेन में हैं, हम भारत और ब्रिटेन के बीच एक मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा कर रहे हैं। इसलिए आप समझेंगे कि अगर मैं कहूं कि ध्यान उसी पर केंद्रित था, निष्पक्ष और स्पष्ट। स्वाभाविक रूप से, विश्व व्यापार के समग्र वैश्विक परिवेश का उल्लेख किया गया, लेकिन उस मोर्चे पर मैं जिस बात पर जोर देना चाहूंगा, वह यह है कि यह भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते के महत्व को और भी रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, इस समय इतने महत्वपूर्ण समझौते का होना ही आज की घटनाओं से लिया जाने वाला एक महत्वपूर्ण संदेश है।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्षः सीमा पर सैन्य झड़प के बाद अब तक 14 थाई नागरिकों की मौत, 46 घायल

बैंकॉक । थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर तनाव लगातार बढ़ रहा है। सैन्य संघर्ष में अब तक थाईलैंड के 14 नागरिक मारे गए हैं, जबकि 46 अन्य लोग घायल हैं। थाईलैंड के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया ने गुरुवार शाम तक अपने हताहतों की संख्या के बारे में कोई जानकारी जारी नहीं की थी। इस बीच, बैंकॉक में जन स्वास्थ्य मंत्री सोमसेक थेपसुथिन ने 14 लोगों की मौत की पुष्टि की, जिनमें 13 नागरिक और एक सैनिक शामिल हैं। उन्होंने नागरिकों और एक अस्पताल पर कंबोडियाई हमलों की निंदा करते हुए कहा, हम कंबोडियाई सरकार से अपील करते हैं कि वह इन युद्ध अपराधों को तुरंत रोके और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांतों का सम्मान करे। यह सैन्य झड़प बुधवार को एक बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद हुई, जिसमें थाईलैंड के पांच सैनिक घायल हो गए। इस घटना के बाद दोनों पक्षों ने अपने राजदूतों को निष्कासित कर दिया, जिससे राजनयिक तनाव काफी बढ़ गया। थाईलैंड के अधिकारियों ने कंबोडिया पर रूस निर्मित नई बारूदी सुरंगें बिछाने का आरोप लगाया, जबकि कंबोडिया ने इन दावों को निराधार आरोप बताते हुए खारिज किया। कंबोडिया ने कहा कि ये विस्फोट पुराने संघर्षों की बची हुई बारूदी सुरंगों के कारण हुए। सीमा पर लगभग 6 जगहों पर झड़पें हुई, जिनमें प्राचीन ता मुएन थॉम मंदिर के पास का इलाका भी शामिल है। थाईलैंड के लड़ाकू विमानों ने जवाबी हवाई हमले किए। थाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता निकोर्नडेज बालनकुरा ने कहा, यह आत्मरक्षा में किया गया एक कदम था। हालाकि, झड़पों के बाद स्थिति और बिगड़ गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस मामले पर चर्चा के लिए एक तत्काल बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने संघर्ष के बीच एक आपात सत्र भी बुलाया, जो न्यूयॉर्क में बंद कमरे में चला। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि हवाई हमलों में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्रीह विहियर के पास एक सड़क को निशाना बनाया गया। इस दौरान कंबोडिया ने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।कंबोडिया के संस्कृति मंत्रालय ने कहा, इस मंदिर को यूनेस्को की ओर से विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है और यह कंबोडियाई लोगों की ऐतिहासिक विरासत है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा, कंबोडिया के पास थाईलैंड के खतरों से अपने क्षेत्र की रक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि हमले सैन्य ठिकानों पर केंद्रित थे, किसी अन्य स्थान पर नहीं।इस संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ाई। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप-प्रवक्ता फरहान हक के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और बातचीत के जरिए किसी भी मुद्दे का समाधान करने का आग्रह किया। थाईलैंड ने सभी भूमि सीमा चौकियों को सील कर दिया है और अपने नागरिकों को कंबोडिया छोड़ने की सलाह दी है। थाईलैंड की सभी 7 एयरलाइनों ने भी नागरिकों को वापस लाने में मदद की पेशकश की है। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथम वेचायाचाई हालात की कमान संभाल रहे हैं और उन्होंने कंबोडिया को आगे किसी भी आक्रामक कदम के खिलाफ चेतावनी दी है।

स्थानीय समाचार

सतीश शर्मा ने गूगल इंडिया लीडरशिप से मुलाकात की

श्रीनगर 25 जुलाई। जम्मू-कश्मीर में डिजिटल विकास और युवाओं की सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवाएँ एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा ने गूगल इंडिया के कंट्री डायरेक्टर आशीष वट्टल और गूगल के उत्तरी राज्यों के सार्वजनिक क्षेत्र प्रमुख संजय दीवान से मुलाकात

की।

बैठक के दौरान, मंत्री ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं के लिए डिजिटल समावेशन, उद्यमिता और रोज़गार सृजन को बढ़ावा देने के लिए गूगल के साथ सहयोगात्मक रास्ते तलाशने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

मंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर के युवाओं में अपार क्षमता है और उनकी ऊर्जा को उत्पादक और नवोन्मेषी क्षेत्रों में लगाना हमारी प्राथमिकता है। गूगल जैसे वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों के साथ रणनीतिक साझेदारी हमें कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा और रोज़गार सृजन के नए अवसरों को खोलने में मदद करेगी।

उन्होंने गूगल टीम से आग्रह किया कि वे विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, अनुकूलित कौशल विकास कार्यक्रम, डिजिटल साक्षरता अभियान और प्रौद्योगिकी-संचालित उद्यमिता मॉडल शुरू करने में सरकार का सहयोग करे।

गूगल टीम ने भारत में डिजिटल परिवर्तन के लिए गूगल की प्रतिबद्धता दोहराई और जम्मू-कश्मीर सरकार के साथ काम करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने छात्रों, पेशेवरों और महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए क्षेत्र-विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और प्रमाणन पाठ्यक्रम तैयार करने में भी सहयोग दिया।

मंत्री ने आईटी विभाग के अधिकारियों को गूगल के साथ सहयोगी परियोजनाएँ शुरू करने के लिए एक ठोस कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया, जिसमें आईटी शिक्षा, क्लाउड प्रशिक्षण, एआई अनुप्रयोग और युवा नवाचार प्रयोगशालाओं में संभावित पायलट प्रोजेक्ट शामिल हैं।

पुंछ उपायुक्त ने मिशन युवा के अंतर्गत महत्वाकांक्षी उद्यमियों को 39 ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे

पुंछ 25 जुलाई। पुंछ उपायुक्त विकास कुंडल ने उपायुक्त कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित एक समारोह में मिशन युवा के अंतर्गत लाभार्थियों को 39 ऋण स्वीकृति पत्र सौंपे।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त पंकज मगोत्रा, उप निदेशक रोजगार अब्दुल मजीद तांत्रे, प्रमुख जिला प्रबंधक रवि कुमार और एसबीडीयू के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, उपायुक्त ने लाभार्थियों को योजना के तहत प्रदान की गई वित्तीय सहायता का सर्वोत्तम उपयोग करने और स्थानीय आर्थिक विकास में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया।

युवा उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल, जिले में सामाजिक-आर्थिक उत्थान और सतत विकास के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उपस्थित अधिकारियों ने पुंछ में मिशन युवा के सफल क्रियान्वयन और दीर्घकालिक प्रभाव को सुनिश्चित करने के लिए लाभार्थियों को उनकी परियोजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान मार्गदर्शन और सलाह देने में अपना सहयोग दोहराया।

उपायुक्त ने बीओसीए बैठक की अध्यक्षता की, 21 भवन निर्माण अनुमति मामलों को मंजूरी दी

डोडा 25 जुलाई। भवन संचालन नियंत्रण प्राधिकरण की बैठक डीसी कार्यालय परिसर डोडा में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त हरविंदर सिंह, जो प्राधिकरण के अध्यक्ष भी हैं, ने की।

आवासीय और व्यावसायिक दोनों प्रकार के कुल 57 भवन निर्माण अनुमति मामलों पर चर्चा की गई। विस्तृत विचार-विमर्श और जाँच के बाद, 21 मामलों को मंजूरी दी गई और शेष को अस्वीकार कर दिया गया और संबंधित अधिकारियों को कमियों को दूर करने और जल्द से जल्द आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा करने के निर्देश देते हुए स्थगित कर दिया गया।

बैठक में भद्रवाह विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मुख्य नगर नियोजक, प्रभागीय वन अधिकारी भद्रवाह, तहसीलदार भल्ला और भद्रवाह, कार्यकारी अभियंता और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जिले के विशिष्ट पारिस्थितिक और सांस्कृतिक स्वरूप के अनुरूप विनियमित शहरी विस्तार, पर्यावरण-संवेदनशील निर्माण और स्थायी पर्यटन अवसंरचना को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को बीओसीए के कामकाज में पारदर्शिता बनाए रखने और विकास मानदंडों का कड़ाई से पालन करते हुए लंबित मामलों का समय पर निपटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपराज्यपाल ने 7 जाट रेजिमेंट के अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर 25 जुलाई। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 7 जाट रेजिमेंट के अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उपराज्यपाल ने कहा, मैं अग्निवीर ललित कुमार को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना। इस दुख की घड़ी में राष्ट्र उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

भारतीय कृषि के विज्ञान का दूसरा सिद्धांत रहा है मिश्रित खेती

– **रवि शंकर**

दुनिया को खेती करना राजा पृथु ने सिखाया। महाभारत के अनुसार वह मानव इतिहास के चौथे राजा थे। पहले मनुष्य दूध, कन्दमूल खा-पीकर जीवन यापन करता था या फिर अपने-आप उग आए अनाज खाता था। किन्तु पृथु द्वारा खेती करने का तरीका विकसित करने के बाद से भारत में खेती होती आ रही है। राजा पृथु का काल पुराणों के अनुसार लाखों वर्षों पहले का है। आधुनिक इतिहासकार अपने पूर्वाग्रहों के कारण पृथु को इतिहास का हिस्सा नहीं मानते पर वे भी मानते हैं कि भारत में खेती हजारों वर्ष पहले से होती आ रही है। स्वाभाविक है कि इतने लंबे समय से खेती करने के कारण इसका एक विज्ञान भी देश में विकसित हुआ। देश में जब अंग्रेज आए तो उन्होंने उस विज्ञान का अध्ययन भी किया। यह एक इतिहास ही है कि भारत में लिखी कृषि गीता पुस्तक के पूरे यूरोप में कई-कई भाषाओं में अनुवाद किए गए। यूरोपीय लोगों को भी भारत ने ही खेती करना सिखाया था।

सवाल है कि भारत का वह परंपरागत ज्ञान क्या था? आखिर भारत की कृषि परंपरा में विज्ञान के कौन से सिद्धांत अंतर्निहित थे? क्या आज भारतीय कृषि की उस वैज्ञानिक परंपरा का कोई उपयोग हो सकता है? आज भारतीय किसानों को क्या उस कृषि विज्ञान से कोई लाभ पहुंचाया जा सकता है?

यह दुर्भाग्यजनक ही कहा जाएगा कि जिस देश में कृषि जीवन पद्धति का हिस्सा हो, संस्कृति की मूल प्रेरणा हो और लाखों वर्षों से राज्य की आय का मुख्य स्रोत रही हो, उस देश में किसानों को आत्महत्या करनी पड़ रही है। वह भी तब जब हम विज्ञान के तथाकथित सर्वोच्च शिखर पर बैठे हैं। उस विज्ञान के जो बीजों को जेनेटिक रूप से परिवर्तित करके उन्हें अधिक फसल देने वाला बना देता है, जो कम समय में फसल तैयार कर देता है, जो ऐसे-ऐसे खाद और कीटनाशक तैयार कर चुका है जिससे फसल कई-कई गुणा हो जाती है। इस विज्ञान के कारण किसान को शारीरिक श्रम से मुक्ति मिल चुकी है। अब उसे बैलों के पीछे चलना नहीं पड़ता, केवल ट्रैक्टर की सीट पर बैठना होता है। इस विज्ञान ने उसे एक वैश्विक बाजार उपलब्ध करा दिया है। कम्प्यूटर के एक क्लिक पर पूरी दुनिया का बाजार उसके समक्ष खुला होता है। फिर वह आत्महत्या क्यों कर रहा है? गरीबी और भुखमरी में क्यों जी रहा है?

समझने की बात यह है कि आधुनिक कृषि विज्ञान फसल तो अवश्य बढ़ा देता है परंतु इस बढ़ी हुई फसल का फायदा किसानों को नहीं, बाजार को होता है। किसान को तो उलटे नुकसान ही उठाना पड़ता है। यह विज्ञान किसान को बाजार पर निर्भर बना देता है जो अंततः उसका खून चूस लेता है।'

वास्तव में भारतीय कृषि पद्धति के विज्ञान का पहला सिद्धांत है कि किसान 'दाता' होता है। वह देता है, लेता नहीं है। इसलिए वह आत्मनिर्भर होता है। उसके पास अपना बीज होता है, अपने बैल होते हैं, अपनी खाद होती है और अपने कीट नियंत्राक होते हैं। इस प्रकार खेती करने के लिए उसे जमीन के अलावा और किसी भी बाहरी चीज की आवश्यकता नहीं होती। यदि उसके पास जमीन है तो वह आराम से खेती कर सकता है। उसे खेती करने के लिए कुछ भी खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके पीछे एक गहरा वैज्ञानिक चक्र छिपा है।

इस चक्र में भूमि, पशु और मनुष्य तीनों एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते थे और इन तीनों से यह कृषि चक्र पूरा होता था। इस चक्र में मनुष्य पशु का पालन करता था। पशु भूमि का पालन करते थे और वह भूमि मनुष्य का पालन करती थी। यह कैसे होता था है या हो सकता है, इसे आधुनिक विज्ञान की भाषा में समझने का प्रयास करते हैं।

पशु यानि कि भारत में गोवंश। गोवंश यानि गाय और बैल। गाय और बैल किसान की मुख्य पुंजी हुआ करते थे। इनके गोबर और गोमूत्र से वह खाद और कीटनियंत्राक बनाया करता था। गोबर की खाद कई प्रकार से भूमि के लिए लाभदायक होती है। यह खाद यूरिया की तरह मिट्टी को फास्टफूड उपलब्ध नहीं करवाती, बल्कि यह मिट्टी को उपजाऊ बनाती है जिससे मिट्टी में केवल नाइट्रोजन ही नहीं, वरन् मैग्नीशियम, फास्फोरस, बोरोन, मैंगनीज जैसे भांति-भांति के अन्य ढेरों माइक्रोन्यूट्रिएंट पैदा होते हैं। यह संभव होता है गोबर खाद द्वारा पैदा किए गए सूक्ष्मजीवों के कारण। ये सूक्ष्मजीव ही मिट्टी का पोषण करते हैं और वातावरण में उपलब्ध माइक्रोन्यूट्रिएंट को मिट्टी में स्थापित करते हैं।

गोबर खाद मिट्टी की पानी ग्रहण करने की क्षमता को भी बढ़ाती है। इसके कारण खेतों में नमी बनी रहती है। इसके ठीक उलट यूरिया व डीएपी जैसे रासायनिक खाद मिट्टी की नमी को नष्ट कर देते हैं जिसके कारण खेतों में अधिक पानी की आवश्यकता पड़ने लगती है। सामान्यतः यह पाया गया है कि रासायनिक खाद डालने के बाद खेतों में तीन या चार गुणा अधिक पानी दिए जाने की आवश्यकता पड़ती है। गोबर की खाद से जो सूक्ष्मजीव मिट्टी में पैदा होते हैं, वे लंबे समय तक मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखते हैं। परिणामस्वरूप गोबर की खाद डालने की आवश्यकता घटती जाती है।

सामान्यतः पाया गया है कि एक बार गोबर की खाद डालने पर अगले वर्ष उसकी आधी मात्रा डालनी होती है और उसके बाद 1-2 वर्ष खाद नहीं डालने से भी कोई फर्क नहीं पड़ता। दूसरी ओर रासायनिक खादों के प्रयोग से मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्मजीव मर जाते हैं। इससे जमीन बंजर होती जाती है और रासायनिक खाद के प्रयोग की मात्रा हर वर्ष बढ़ती ही जाती है।

गोमूत्र और नीम आदि से बने कीटनियंत्राक फसल में लगने वाले कीटों का तो नियंत्रण करते हैं परंतु वे मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होते। उलटे उससे फसल की गुणवत्ता और बढ़ ही जाती है। परंतु रासायनिक कीटनियंत्राक मानव स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक होते हैं। इनसे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियां फैलती हैं। वर्तमान में मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण भी यही प्रदूषित अन्न, फल व सब्जियों का सेवन है।

भारतीय कृषि के विज्ञान का दूसरा सिद्धांत रहा है मिश्रित खेती। भारतीय पद्धति की खेती में कभी भी खेतों में एक फसल नहीं ली जाती, हमेशा दो फसलें बोई जाती रही हैं। जैसे अरहर के साथ सरसों, गन्ने के साथ आलू या मसूर, गेंहू के साथ चना आदि। इससे दो फायदे होते हैं। पहला फायदा तो यह है कि एक फसल मिट्टी से कुछ पोषक पदार्थ लेती है तो कुछ छोड़ती भी है। इससे दोनों फसलें मिल कर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती हैं। दूसरा फायदा यह है कि मौसम की मार से यदि एक फसल खराब हो गई तो भी दूसरी फसल से किसान की लागत निकल आती है और वह बर्बाद होने से बच जाता है।

डा. गुणाकर बताते हैं कि पिछले वर्ष 2022 फरवरी-मार्च के म्हीने में जो अनपेक्षित बारिश हुई और ओले गिरे, उससे रासायनिक खेती करने वालों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई, परंतु भारतीय पद्धति से खेती करने वाले किसानों की फसलें बची रहीं। ऐसा अलीगढ़, मथुरा, फर्रुखाबाद, मुरादाबाद आदि कई इलाकों में देखा गया। आश्चर्य की बात है कि ऐसा अगल-बगल के खेत में भी हुआ। यह अंतर भारतीय पद्धति का है।

इसलिए भारत में कृषि को गोपालन से जोड़ कर देखा गया। आज दुनिया में इस पर शोध किया जा रहा है। जिम्बावे के एलन सेवरी ने यह शोध किया है कि गायों के स्वतंत्र रूप से चरने से बंजर भूमि भी हरी-भरी हो जाती है। इसलिए उन्होंने बंजर धरती को उपजाऊ

बनाने का उपाय निकाला है कि वहां गायों के झुंड को छोड़ दिया जाए। उन्होंने अपने शोध में पाया है कि गायें बंजर भूमि पर जो गोबर करती हैं, उससे उस भूमि की पानी रोकने की क्षमता बढ़ जाती है। धीरे-धीरे वह भूमि नम होने लगती है और फिर वहां घास पैदा होने लगती है। उस घास को भूमि में ही मिला देने से वहां की मिट्टी उपजाऊ हो जाती है। इस प्रक्रिया को मल्चिंग कहा जाता है। साथ ही वहां की भूमि में सूक्ष्मजीवों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इन दो कारणों से वह भूमि खेती योग्य हो जाती है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि भारत में कृषि को गोपालन से जोड़ा जाना एक वैज्ञानिक गतिविधि थी। गाय-बैल के स्थान पर ट्रैक्टर तथा रासायनिक खादों का प्रयोग तो तर्क सम्मत भी नहीं है। जिससे तत्काल तो लाभ मिलता दिखता है परंतु इससे 50-100 वर्षों में जमीन बंजर होने लगती है। यह पंजाब में हरित क्रांति के मात्र 30-40 वर्ष के बाद ऐसा होता देखा जा सकता है। वहां के जमीन की उत्पादकता घटती जा रही है।

नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत एक शोध पत्र में यह पाया गया कि रासायनिक खादों के प्रभाव में लगातार कमी आ रही है। अर्थात् अधिक खाद डालने पर भी उस अनुपात में उपज नहीं हो रही।

हैरत की बात यह है कि इस बात की ओर ध्यान दिलाने वाले और कोई नहीं एकेडमी के अध्यक्ष और भारत में हरित क्रांति के जनक एम. एस, स्वामीनाथन ही थे। यह जानना भी रोचक है कि कुछ वर्ष पूर्व उन्होंने कहा कि भारत को अब हरित क्रांति की नहीं, बल्कि स्थायी हरित क्रांति (एवरग्रीन रिवोल्यूशन) की आवश्यकता है। यह स्थायी वाला तत्व बिना गोपालन के आना संभव नहीं है।

यहां पर यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि भारत अपनी विशेष जलवायु के कारण यूरोपीय देशों से भिन्न है। यहां खेतों में तीन और कई बार तो चार-चार फसल लिया जाना सामान्य बात है जबकि यूरोप में एक से अधिक फसल लेना कठिन होता है। वहां एक फसल के बाद जमीन बर्फ में दबी रहती है। इसलिए वहां रासायनिक खादों के नुकसान का पता नहीं चलता। साथ ही यदि वार्षिक उपज देखी जाए तो एक फसल का औसत उत्पादन कम होने पर भी भारतीय खेतों का औसत वार्षिक उत्पादन यूरोपीय खेतों से अधिक हो जाएगा।

इसलिए भारतीय कृषि पद्धति एक फसल में अधिक उत्पादन लेने, जिससे मिट्टी की उत्पादकता नष्ट हो जाती है, की बजाय मिट्टी की उत्पादकता बरकरार रखते हुए उससे चार-चार फसल लेने पर विश्वास करती थी। इससे एक लाभ और भी था। मनुष्यों को भोजन में विविधता भी मिलती थी। यहां के लोग केवल चावल और गेंहू नहीं खाते थे, बल्कि मक्का, ज्वार, रागी, जैसे मोटे अनाज और सब्जियां आदि का प्रयोग बहुतायत में करते थे। ये मोटे अनाज कम पानी में उपजते हैं और मानव शरीर के लिए काफी पुष्टिकारक होते हैं। सब्जियां भी मनुष्य के लिए लाभकारी हैं।

समझा जा सकता है भारतीय कृषि पद्धति खेतों से येन-केन-प्रकारेण अधिक उपज लेने पर विश्वास नहीं करती थी, बल्कि उसके अनुसार खेतों की उर्वरता बनाए रखते हुए मानव के लिए हितकारी भोज्य पदार्थों की खेती करने को प्रोत्साहित करती थी। इस पद्धति में पशुओं का भी सहजता से पालन हो जाता था। फसल के अवशेष जिसे हम भूसा और खली कहते हैं, पशुओं को खिलाने के काम आता था। इस प्रकार भारतीय कृषि पद्धति प्रकृति से लेन-देन का हिसाब बिल्कुल बराबर रखा करती थी। यही इसका विज्ञान था।

अगस्त में उगाई जा सकने वाली सब्जियों से संबंधित विवरण

जुलाई लगभग बीत जाने के साथ, आपके अंदर के माली के पास अपनी उम्मीदें लगाने के लिए अगस्त है। और निःसंदेह, हम अगस्त में आपके द्वारा उगाई जा सकने वाली सब्जियों से संबंधित विवरण के साथ परिसर को सरल बनाने में आपकी सहायता करने के लिए यहीं हैं।

इसके अलावा, आइए प्रसिद्ध दार्शनिक फ्रांसिस बेकन के शब्दों से अनभिज्ञ न रहें, बागवानी मानव सुखों में सबसे शुद्ध है। और अगर आपके बगीचे में सब्जियाँ बोई गई हैं, तो यह आनंद तीन गुना हो जाता है! क्या आप इस आनंदमय अनुभूति का तीन बार अनुभव करना चाहते हैं? आएँ शुरू करें!

अगस्त की सब्जियाँ जिन्हें आप घर पर आसानी से उगा सकते हैं

जबकि अगस्त वह महीना है जिसमें उत्तर और मध्य भारत में काफी अच्छी मात्रा में बारिश होती है, दक्षिण भारत में मानसून के चरम महीने जा चुके हैं। बहरहाल, पूरे देश में इस महीने के दौरान नमी के साथ-साथ बारिश का भी अनुभव होता है। इसलिए, अगस्त में उगाई जाने वाली सब्जियों के चयन में सावधानी बरतनी होगी।

टमाटर, भिंडी और लौकी ऐसी सब्जियां हैं जो बरसात, गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति में भी जीवित रह सकती हैं और इसलिए सबसे उपयुक्त हैं। हालाँकि, केवल नाम जानना ही पर्याप्त नहीं है, कैसे और कहाँ भी उतना ही महत्वपूर्ण हैं।

ओकरा

भिंडी, जिसे हिंदी में भिंडी और अंग्रेजी में लेडी फिंगर के नाम से जाना जाता है, उगाने में आसान सब्जी है। इसके अलावा, इसके आकर्षक फूल आपको पूरे मौसम बांधे रखेंगे। हम तो यही कहेंगे कि सुंदरता और दिमाग का एकदम सही मिश्रण! विटामिन ए, प्रोटीन और आहार फाइबर से भरपूर, भिंडी को आपके आहार में अवश्य शामिल करना चाहिए, मुख्य रूप से क्योंकि यह हरा है और हम सभी को अपने साग का सेवन करना चाहिए!

घर पर भिंडी कैसे उगाएं

▸▸ जैविक खाद डालकर अपनी मिट्टी को समृद्ध करें। दूसरे शब्दों में, 6.5 और 7 के बीच पीएच स्तर वाली मिट्टी सबसे अच्छा काम करती है।

▸▸ बोयें भिंडी के बीज ½ इंच गहरा और 7-8 इंच की दूरी पर (यदि बाहर बोया जाता है) और 9-10 इंच की दूरी पर (यदि घर के अंदर बोया जाता है)।

▸▸ सुनिश्चित करें कि आपके पौधे को प्रतिदिन 5-6 घंटे धूप मिले।

▸▸ अपने पौधे को हर सुबह पानी दें ताकि वह पूरे दिन हाइड्रेटेड रहे।

▸▸ रोपण के 45-50 दिनों के भीतर, आपकी पहली उपज तैयार हो जाएगी जो 2-3 इंच लंबी होगी।

▸▸ कैंची से कटाई करें या

बस उन्हें तोड़ दें।

▸▸ जिस स्थान पर आपने काटा है वहां से दूसरी फली बढ़ती रहेगी।

▸▸ जब तक पौधा उत्पादन देना बंद न कर दे तब तक कटाई करते रहें।

मूली

मूली लाल हो सकती है, बैंगनी हो सकती है... गुलाबी हो सकती है, पीली हो सकती है... सफेद हो सकती है। कोई भी रंग जो पसंद हो! क्योंकि वास्तव में, वे सैकड़ों रंगों में उपलब्ध हैं। मूली, जैसा कि हिंदी में कहा जाता है, भारतीय सलाद का महिमामंडन करती है; इसके कुरकुरे स्वाद के कारण यह एंटीऑक्सिडेंट और कैल्शियम और पोटेशियम जैसे खनिजों से भरपूर है। इतना ही नहीं, यह रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने में मदद करता है क्योंकि यह रक्तचाप और हृदय रोगों को दूर रखने के अलावा प्राकृतिक नाइट्रेट का एक अच्छा स्रोत है।

घर पर मूली कैसे उगाएं

▸▸ मूली के बीज पूर्ण सूर्य या आंशिक छाया वाले क्षेत्र में उगाएं।

▸▸ मूली को ढीली, अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी की आवश्यकता होती है जो चट्टानों से मुक्त हो। मिट्टी में कार्बनिक पदार्थ मिलाने से मदद मिलेगी। लगभग 6-7 की पीएच सामग्री सबसे अच्छा काम करती है।

▸▸ बीज को आधा इंच गहरा बोना चाहिए और कम से कम एक इंच की दूरी पर रखना चाहिए।

▸▸ फसल के दिन अलग-अलग होते हैं क्योंकि मूली वसंत और सर्दियों में भी उगाई जा सकती है।

क हालाँकि, क्योंकि हम

मूली अगस्त में उगा रहे हैं, फसल 30 दिनों में तैयार हो जाएगी और उनकी जड़ें 30 सेमी चौड़ी होंगी।

भले ही भारतीय घरों में सलाद को एक विलासिता माना जाता है, लेकिन यह इस पत्तेदार सब्जी का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। आश्चर्य की बात है ना? इससे साबित होता है कि कैसे अधिक से अधिक लोग स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के प्रति जागरूक हो रहे हैं। आखिरकार स्वास्थ्य ही धन है! आप अपने घर में ही लेट्यूस का पौधा लगाकर सचेत आहार लेने की इस प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। आइए जानें कैसे!

घर पर सलाद कैसे उगाएं

▸▸ सुनिश्चित करें कि लेट्यूस के उगने के लिए मिट्टी अच्छी तरह से तैयार है। आदर्श मिट्टी नरम, दोमट और अच्छी जल निकासी वाली होती है।

▸▸ सलाद के बीज बहुत अधिक मिट्टी के साथ मत ढको; 2-3 मिमी पर्याप्त होगा.

▸▸ पौधे को रोजाना 4-6 घंटे धूप मिलनी चाहिए।

▸▸ पौधे को जरूरत से ज्यादा पानी न दें. यदि आपको मिट्टी पर काई की एक अच्छी परत मिलती है, तो संभवतः आपने इसमें जरूरत से ज्यादा पानी डाल दिया है। मिट्टी कितनी चिकनी है, इसके आधार पर इसे एक या दो दिन के लिए छोड़ दें। यदि यह सूखा लगे तो इसे गहराई से पानी दें।

▸▸ जब पत्तियां 4-6 इंच लंबी हो जाएं तो आप कैंची का उपयोग करके पत्तियों की कटाई कर सकते हैं। पत्तियों को उखाड़ने से बचें क्योंकि इससे नुकसान हो सकता है।

फलियाँ

बीन्स दो प्रकार की होती हैं – बुश बीन्स और पोल बीन्स। जबकि बुश बीन्स को बढ़ने के लिए अधिक जगह की आवश्यकता होती है, पोल बीन्स को ऊपर की ओर बढ़ने पर ट्रेलिस समर्थन की आवश्यकता होती है। किसी भी मामले में, आप चाहे किसी भी प्रकार की फलियाँ उगाना चाहें, प्रक्रिया बहुत आसान है। एक दिलचस्प अंतर्दृष्टि यह है कि फलियाँ नाइट्रोजन-स्थिर करने वाले पौधे हैं यानी उनमें हवा से नाइट्रोजन खींचने की क्षमता होती है; जिससे मिट्टी उपजाऊ बनती है। आत्मनिर्भर होने की बात करो! हालाँकि, आपको अभी भी मिट्टी में खाद मिलाने की आवश्यकता होगी।